www.tamsasanket.com
वर्ष: 29 || अंक 123 || अम्बेडकरनगर
शुक्रवार
24 जुलाई 2026 || पृष्ठ: 08 || मूल्य: ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदय: 05:26
सूर्यास्त: 06:59
अधिकतम: 32°00
न्यूनतम: 27°00

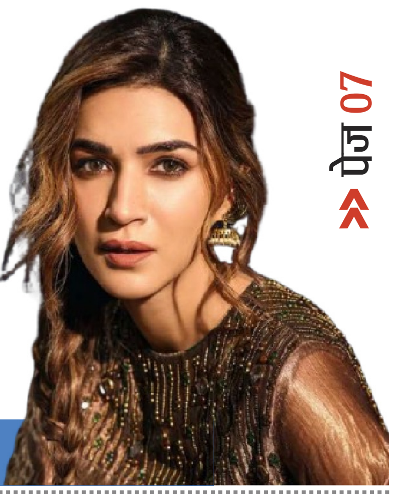

पेज 07

विशेष समाचार | स्व-देखभाल: स्वस्थ व्यक्ति... >> पेज 04 | बॉयफ्रेंड को बंधक बनाकर... >> पेज 06 | हिट फिल्म के बाद भी 15 ...

देश के युवाओं का हित और उनका भविष्य हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।
पेपर लीक के सभी मामलों में दोषियों को जल्द से जल्द कठोर दंड देने के लिए, केस के त्वरित निस्तारण के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट्स का गठन किया जाएगा। इस संबंध में निर्देश दे दिए गए हैं कि संबंधित विभाग आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें।
विद्यार्थियों के हितों को सुरक्षित करने के लिए, सरकार द्वारा लिए जा रहे निर्णयों की श्रृंखला में ये एक महत्वपूर्ण कदम है।
युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।
- नरेन्द्र मोदी

पेपर लीक पर मोदी बोले- युवाओं के कल्याण और भविष्य से बढ़कर कुछ नहीं, दोषी बख्शे नहीं जाएंगे

'फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाएंगे'

ऐलान

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को ऐलान किया कि पेपर लीक के दोषियों को सजा देने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट्स बनाए जाएंगे। युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। पीएम का यह ऐलान कॉकरोच जनता पार्टी और विपक्ष के प्रदर्शन के बीच आया है। सीजेपी पिछले 34 दिन से जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रही है। वहीं, एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक 26 दिन से भूख हड़ताल पर हैं। वे गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में भर्ती हैं। वहीं उनका इलाज चल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 21 जुलाई को NDA संसदीय दल की बैठक में कहा कि NEET पेपर लीक की खबर मिलते ही सरकार ने तुरंत कार्रवाई की।

>> (शेष पेज 06 पर)

पीएम ने कहा- युवाओं का हित सर्वोच्च प्राथमिकता

पीएम मोदी ने X पर पोस्ट कर कहा, देश के युवाओं का हित और उनका भविष्य हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

पेपर लीक केस के लिए पहली बार फास्ट ट्रैक कोर्ट

देश में अब तक पेपर लीक मामलों की सुनवाई सामान्य अदालतों में होती थी, इसलिए फैसला आने में कई साल लग जाते थे। अब प्रधानमंत्री ने इसके लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने की घोषणा की है, ताकि फैसला तेजी से हो सके।

भारत में फास्ट ट्रैक कोर्ट की शुरुआत साल 2000 में हुई थी। इनका गठन 11वें वित्त आयोग की सिफारिश पर किया गया था।

>> (शेष पेज 06 पर)

'छात्र सड़क पर हैं तो हम भी उनके साथ' राहुल गांधी की बस यात्रा से गरमाई सियासत, गांधी स्मृति पहुंचा विपक्ष

राहुल गांधी की 'गांधीगीरी' शुरू

आंदोलन

'शिक्षा मंत्री का इस्तीफा होने तक संसद नहीं चलेगी' - राहुल गांधी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में नीट-यूजी पेपर लीक को लेकर सियासी तापमान और बढ़ गया है। गुरुवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की अगुवाई में इंडिया गठबंधन के सांसद एकजुट होकर गांधी स्मृति पहुंचे। राहुल गांधी अपने सरकारी आवास से विपक्षी नेताओं के साथ एक बस में सवार होकर निकले। इस दौरान कांग्रेस, आरजेडी, सीपीआई(एम) समेत कई विपक्षी दलों के सांसद उनके साथ मौजूद रहे। हालांकि, यात्रा शुरू होने से पहले कुछ देर के लिए तनाव की स्थिति बन गई। राहुल गांधी के आवास के बाहर दिल्ली पुलिस ने बैरिकेडिंग कर दी और बस को आगे बढ़ने से रोक दिया। कुछ मिनट तक चली बातचीत के बाद पुलिस ने रास्ता खोल दिया, जिसके बाद विपक्षी नेताओं का काफिला गांधी स्मृति के लिए रवाना हो गया।

आरजेडी सांसद संजय यादव ने कहा कि पिछले दस वर्षों में देशभर में 152 पेपर लीक हुए, लेकिन आज तक किसी बड़े आरोपी को सजा नहीं मिली। उनके मुताबिक शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता खत्म हो चुकी है और लाखों छात्रों का भविष्य दांव पर लगा हुआ है। वहीं, सीपीआई(एम) सांसद जॉन ब्रिटास ने कहा कि विपक्ष गांधी स्मृति इसलिए जा रहा है क्योंकि सरकार छात्रों की आवाज दबाने की कोशिश कर रही है। >> (शेष पेज 06 पर)

विपक्ष की प्रमुख मांगें

नीट विवाद को लेकर विपक्ष लगातार केंद्र सरकार पर दबाव बना रहा है। विपक्ष की प्रमुख मांगें हैं-

- केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें।
- नीट पेपर लीक मामले की निष्पक्ष और समयबद्ध जांच हो।
- नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की जवाबदेही तय की जाए।
- दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए।
- संसद के भीतर और बाहर इस मुद्दे पर सरकार से जवाब लिया जाए।

गांधी स्मृति के पास पहुंचने के बाद बस को रोक दिया गया। यह राहुल के घर से 750 मीटर दूर है।

पहले हुई रणनीति बैठक, फिर निकला विपक्ष का काफिला

गांधी स्मृति मार्च से पहले राहुल गांधी ने अपने आवास पर विपक्षी सांसदों की बैठक बुलाई थी। बैठक में नीट पेपर लीक, संसद में सरकार को घेरने की रणनीति और छात्रों के समर्थन में संयुक्त कार्यक्रम पर चर्चा हुई। इसके बाद सभी नेताओं ने एक साथ बस से गांधी स्मृति जाने का फैसला किया। बैठक की जानकारी मिलते ही दिल्ली पुलिस ने राहुल गांधी के आवास के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी। इलाके में बैरिकेडिंग कर दी गई और बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई। इस बीच कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भीड़ भी आवास के बाहर जुटने लगी।

'छात्र सड़क पर हैं, इसलिए हम भी सड़क पर हैं'

रवाना होने से पहले राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि छात्र अपने भविष्य को लेकर सड़कों पर संघर्ष कर रहे हैं, ऐसे में विपक्ष का कर्तव्य है कि वह उनके साथ खड़ा रहे। उन्होंने कहा, 'हम पहले इंडिया गेट जाना चाहते थे, लेकिन हमें अनुमति नहीं दी गई। इसके बाद हमने गांधी स्मृति जाने का फैसला किया, वहां भी हमें कुछ देर रोका गया। हमारा सबसे बड़ा संदेश देश के छात्रों के लिए है कि हम आपके साथ हैं और आपकी आवाज संसद से लेकर सड़क तक उठाएंगे।'

छात्रों की मांग

इ - इस्तीफा
ज़िम्मेदारी लो, कुर्सी छोड़ो!

ला - लाठीचार्ज पर कार्यवाही
छात्रों पर हमला नहीं चलेगा!

ज - जवाबदेही
छात्रों से माफी, सच्चाई ज़रूरी!

'सोनम भाई कुछ खा लो, अब तो पीएम ने भी ट्वीट कर दिया'

सलमान खान के बदले सुर! छात्र आंदोलन खत्म करने की अपील

नई दिल्ली। NEET पेपर लीक विवाद को लेकर देशभर में जारी छात्र आंदोलन पर बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान लगातार अपनी राय रख रहे हैं. पहले छात्रों के शांतिपूर्ण आंदोलन की तारीफ करने के बाद अब उन्होंने एक नया पोस्ट शेयर कर स्टूडेंट्स से घर लौटने की अपील की है. साथ ही सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल खत्म करने की भी गुजारिश की है. सलमान खान ने अपने ताजा पोस्ट में लिखा कि छात्र देश की सबसे बड़ी प्राथमिकता हैं, चाहे शिक्षा हो या सुरक्षा. उन्होंने कहा कि अब छात्रों को ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं है और न ही अपने माता-पिता को परेशान करने की। सलमान ने प्रधानमंत्री के हालिया बयान का जिक्र करते हुए भरोसा जताया कि पेपर लीक के जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी. उन्होंने छात्रों से कहा- अब तो माननीय प्रधानमंत्री जी ने भी ट्वीट कर दिया है, मुझे पूरा भरोसा है कि पेपर लीक करने वालों के खिलाफ सख्त एक्शन जरूर लिया जाएगा। सलमान ने अपने पोस्ट में सोनम वांगचुक को भी खास संदेश दिया. उन्होंने लिखा- सोनम, अब बहुत हो गया भाई. इसे और आगे मत बढ़ाओ. अगर भविष्य में जरूरत पड़े तो उस वक्त लड़ लेना, लेकिन अभी कुछ खा लो. चाहो तो मैं अपने घर से खाना भेज देता हूं।

>> (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

देशभर में पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन

नई दिल्ली। NEET पेपर लीक और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर देश के विभिन्न राज्यों में गुरुवार को भी विरोध प्रदर्शन हो रहा है। बिहार के कटिहार में DM ऑफिस के बाहर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज हुआ है। छात्र अंदर जाने की कोशिश कर रहे थे।

नारेबाजी | विरोध

संसद के बाहर एनडीए-इंडिया ब्लॉक आमने-सामने

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के चौथे दिन गुरुवार को संसद भवन के बाहर NDA और विपक्ष आमने-सामने आ गए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव समेत विपक्षी सांसदों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

विपक्ष के सामने NDA के सांसद भी विरोध प्रदर्शन में उतर गए। इस दौरान दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। NDA सांसद पीएम आवास के बाहर 21 जुलाई को राहुल के धरने का विरोध कर रहे हैं।

पुलिस जवान ने प्रदर्शनकारियों को धमकाया

मुंबई। मुंबई पुलिस के एक जवान का वीडियो सामने आया है, जिसमें वह NEET पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे लोगों को ड्रग्स केस में फंसाने की धमकी देता दिख रहा है। वीडियो मुंबई कांग्रेस ने अपने X हैंडल पर पोस्ट किया है। इसमें प्रदर्शनकारी पुलिस वैन में बैठे हैं।

लश्कर के 2 आतंकियों के घर आईईडी लगाकर ढहाए गए

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में हेड कॉन्स्टेबल की हत्या में थे शामिल

कार्रवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में प्रशासन ने गुरुवार को लश्कर-ए-तैयबा (LeT) के दो आतंकियों के घर IED लगाकर ध्वस्त कर दिए। यह कार्रवाई लाल चौक में पुलिस बल के हेड कॉन्स्टेबल आशिक हुसैन कुरैशी की हत्या के एक दिन बाद की गई। अधिकारियों के मुताबिक, जिन आतंकियों के मकान गिराए गए उनमें बिजबेहड़ा के गुरी गांव निवासी आदिल ठोकर और हसनपोरा निवासी हारून गनई शामिल है। मंगलवार दोपहर करीब साढ़े 12 बजे कॉन्स्टेबल कुरैशी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हमले में ये दोनों आतंकी भी शामिल थे। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग स्थित लाल चौक पर आतंकियों ने इस कायराना वारदात को अंजाम दिया था।

>> (शेष पेज 06 पर)

- अमरनाथ यात्रा ड्यूटी पर तैनात थे कुरैशी
- पाकिस्तान के आतंकी शिविरों में ट्रेनिंग ली

योगी का विरोधियों पर निशाना, गोरखपुर में पहला सिक्सलेन फ्लाईओवर का लोकार्पण किया

'आस्थावान बनने का ठेका ले रहे आस्था पर प्रहार करने वाले'

कटाक्ष

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आस्था, सुरक्षा व विकास के मुद्दे पर कांग्रेस व समाजवादी पार्टी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सत्ता में रहने के दौरान आस्था पर प्रहार करने वाले सबसे बड़े आस्थावान बनने का ठेका ले रहे हैं। कांग्रेस व सपा के लोगों के मुंह से आस्था के उपदेश हास्यास्पद लगते हैं। सपा ने अपने शासन में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर आंदोलन में बाधा डाली, रामभक्तों पर गोली चलवाईं। कांग्रेस ने भगवान श्रीराम के अस्तित्व पर सवाल उठाया, मंदिर आंदोलन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में वकील खड़ा किया। ये लोग किस मुंह से आस्था की बात कर रहे हैं? मुख्यमंत्री गुरुवार को गोरखपुर जिले के पहले सिक्सलेन फ्लाईओवर सहित 995 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करने के उपरांत जनसमूह को संबोधित कर रहे थे।

>> (शेष पेज 06 पर)

सीएम बोले-पानी का संरक्षण करना होगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया में इतना जल संसाधन किसी के पास नहीं है, जितना आपके पास है। इसका सदुपयोग करना होगा। पानी का संरक्षण करना होगा। इसमें बहुत खर्च नहीं है।

जो विकास आज गोरखपुर में हो रहा है। यहां के हर विधानसभा क्षेत्र में हो रहा है। हर जगह विकास के काम तेजी से आगे बढ़ा है। हर सांसद, हर विधायक किसी न किसी मंदिर के जीर्णोद्धार के कार्यक्रम को आगे बढ़ा रहा है।

> सिक्सलेन फ्लाईओवर सहित गोरखपुर को 995 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का उपहार दिया मुख्यमंत्री ने, 813.52 करोड़ रुपये की 4 परियोजनाओं का लोकार्पण और 181.77 करोड़ रुपये की 10 परियोजनाओं का शिलान्यास

सीएम ने रवि किशन की चुटकी ली, बोले बारिश हुइ तो हाथ से नाली साफ कर रहे थे

सीएम ने चुटकी लेते हुए कहा कि मैं देख रहा थे कि एक दिन बारिश हुई थी तो रविकिशन पानी में घुसकर जा रहे थे। अपने हाथ से नाली साफ कर रहे थे। मैंने कहा कि अतिक्रमण हटवा दीजिए, पानी निकल जाएगा। सीएम ने लोगों से अपील कि खाली जमीन पर पेड़ लगाइए। रविकिशन से पूछा कि आपने लगाए तो कहा कि जन्मदिन पर लगाए।

घोषणा : सीजेपी ने कहा- बात करनी है तो सरकार जंतर-मंतर आए, देशभर में प्रदर्शन का ऐलान

'कनॉट प्लेस में 6.30 बजे तक बंद करें दुकानें रेस्टोरेंट'

एनडीएमसी की व्यापारियों को हिदायत

सलाह

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के कनॉट प्लेस में गुरुवार को सभी दुकानें, कार्यालय और रेस्टोरेंट शाम 6.30 बजे तक बंद करने की एडवाइजरी जारी की गई है. नई दिल्ली ट्रेडर्स एसोसिएशन (NDTA) की ओर से जारी सर्कुलर में कहा गया है कि यह फैसला नई दिल्ली नगर परिषद (NDMC) की चेयरपर्सन और वाइस चेयरपर्सन की टेलीफोन पर दी गई सलाह के बाद लिया गया है।

>> (शेष पेज 06 पर)

एनएसए की शक्ति बढ़ाने को लेकर दिल्ली पुलिस की सफाई

कनॉट प्लेस में दुकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को समय से पहले बंद करने की एडवाइजरी के बीच दिल्ली में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (NSA) के तहत पुलिस की निवारक हिरासत की शक्ति बढ़ाए जाने को लेकर भी चर्चा तेज हो गई। >> (शेष पेज 06 पर)

अरविंद केजरीवाल ने उठाए सवाल

इस बीच आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने भी कनॉट प्लेस में दुकानें शाम 6.30 बजे बंद करने के आदेश और इलाके में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए. उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एडवाइजरी साझा करते हुए दावा किया कि इलाके में सुरक्षा बढ़ाई गई है और बड़ी संख्या में एंबुलेंस मौजूद हैं. केजरीवाल ने सवाल उठाया कि क्या केंद्र सरकार एक बार फिर जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफ कार्रवाई करने जा रही है।

- '24 घंटे में छात्रों को 4 बार दिया बातचीत का प्रस्ताव', जितेंद्र सिंह का दावा

'हम तैयार, दफ्तर या आवास में आकर करें बात', छात्रों से नड्डा की अपील

यह कदम जंतर-मंतर और उसके आसपास जारी कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के विरोध प्रदर्शन के बीच उठाया गया है. CJP पिछले कुछ समय से नीट पेपर लीक मामले को लेकर प्रदर्शन कर रही है. पार्टी की ओर से केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की भी मांग की जा रही है।

संभल हिंसा : मोहम्मद वारिस पर लगा रासुका

एसआईटी रिपोर्ट से पहले योगी सरकार का बड़ा एक्शन

फैसला

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। संभल हिंसा मामले में यूपी सरकार सख्त रुख अपनाए हुए है. अब इस मामले के आरोपी मोहम्मद वारिस पर राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (NSA) के तहत कार्रवाई की गई है. इस फैसले के बाद संभल हिंसा केस में रासुका के तहत कार्रवाई झेलने वाले प्रमुख आरोपियों की संख्या और बढ़ गई है.

सरकार की यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है, जब उत्तर प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र में संभल हिंसा मामले की विशेष जांच दल (SIT) की रिपोर्ट सदन में पेश की जानी है. माना जा रहा है कि सरकार हिंसा के मामलों में सख्त रुख अपनाते हुए कानून-व्यवस्था को लेकर स्पष्ट मैसेज देना चाहती है.

सूत्रों के मुताबिक, जांच एजेंसियों ने मोहम्मद वारिस को हिंसा के प्रमुख आरोपियों में शामिल माना है.

>> (शेष पेज 06 पर)

- रासुका के तहत कार्रवाई झेलने वाले प्रमुख आरोपियों की संख्या और बढ़ी

यूपी में 10 नदियां उफनाईं, गांव टापू बने

अलर्ट

सड़कें बहीं, पेड़ समाए, घरों में भरा पानी, छतों-हाईवे पर गुजर रही जिंदगी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/वाराणसी। यूपी में पिछले 10 दिनों से हो रही बारिश के चलते गंगा, यमुना समेत 10 नदियां उफान पर हैं। लखीमपुर खीरी में शारदा नदी का पानी गांवों में घुस गया है। 2-3 गांव टापू बन गए हैं। कई सड़कें बह गई हैं। घरों में पानी भर गया है।

लोगों की जिंदगी छतों पर गुजर रही है। जिनके कच्चे मकान हैं, वे घर छोड़कर हाईवे पर रहने को मजबूर हैं। नदी किनारे तेजी से कटान हो रहा है। मिट्टी और पेड़ नदी में समा रहे हैं।

उधर, गोंडा में घाघरा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। 12 से ज्यादा गांवों पर बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। महराजगंज में तालाब में मगरमच्छ दिखने से गांव में दहशत का माहौल है। गुरुवार सुबह से लखनऊ, कानपुर समेत 50 से ज्यादा शहरों में बादल छाए हैं। ठंडी हवाएं चल रही हैं। बरेली समेत कई शहरों में तेज धूप है। आज 69 जिलों में बारिश का अलर्ट है। कहीं-कहीं तेज हवाएं चल सकती हैं।

लखीमपुर-खीरी में शारदा नदी का पानी गांवों में घुस गया। इससे कई गांव टापू बन गए। सड़कें बह गईं।

बुधवार को प्रदेश के 33 जिलों में बारिश हुई। सबसे अधिक 13.8 मिमी. बारिश सोनभद्र में रिकॉर्ड की गई। गाजीपुर में 11.3, मिर्जापुर में 10.1 और आजमगढ़ में 8.5 मिमी. बारिश हुई। सोनभद्र में बिजली गिरने से 2 लोगों की मौत हो गई।

कानपुर में दोपहर बाद तेज बरसात

कानपुर में सुबह से घने बादल छाए हैं। रुक-रुक कर बारिश हो रही है। दोपहर करीब 3:30 बजे स्वरूप नगर समेत कई इलाकों में जोरदार बारिश शुरू हो गई। इससे गर्मी से लोगों को राहत मिली। बारिश के चलते लोग छाता लेकर घरों से निकले।

बस्ती में सरयू का जलस्तर बढ़ा, तेज बहाव में खजूर का पेड़ समाया

बस्ती में सरयू नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने से तटीय क्षेत्रों में कटान तेज हो गया है। नदी का तेज बहाव किनारों को काटता हुआ आगे बढ़ रहा है। इसी दौरान नदी किनारे खड़ा एक खजूर का पेड़ कटान की चपेट में आकर सरयू की धारा में समा गया। लगातार हो रहे कटान से नदी किनारे की कृषि भूमि और आबादी वाले इलाकों पर भी खतरा मंडराने लगा है। प्रशासन ने तटीय क्षेत्रों के लोगों से सतर्क रहने, नदी के किनारे अनावश्यक रूप से न जाने और किसी भी आपात स्थिति में तत्काल प्रशासन को सूचना देने की अपील की है।

गोंडा में घाघरा उफनाई किनारों पर कटान जारी

गोंडा जिले में घाघरा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। गुरुवार सुबह एल्गिन ब्रिज पर नदी खतरे के निशान से 5 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है। बढ़ते जलस्तर से तरबगंज और कर्नलगंज तहसील क्षेत्र के 12 से अधिक गांवों पर बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। प्रशासन के अनुसार, पानी धीरे-धीरे आबादी वाले क्षेत्रों की ओर बढ़ रहा है। गुरुवार सुबह 8:50 बजे गिरजा बैराज से 1,23,073 क्यूसेक, शारदा बैराज से 1,38,707 क्यूसेक और सरयू बैराज से 4,553 क्यूसेक पानी छोड़ा गया।

हॉस्टल में नहीं मिली परमिशन सड़क पर 'छात्रों की गूंज'

तमसा संकेत, एजेंसी

कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत बोलीं- युवाओं के भविष्य से हो रहा खिलवाड़

प्रयागराज। प्रयागराज के सलोरी में कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने बुधवार को सड़क पर ही हजारों छात्रों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि मौजूदा केंद्र सरकार युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। युवा जब अपने अधिकारों और पेपर लीक जैसे मुद्दों पर आवाज उठाते हैं तो उनका दमन किया जाता है और लाठियां बरसाई जाती हैं। लेकिन इस पर चुप नहीं रहा जाएगा। कांग्रेस पार्टी छात्रों की आवाज मजबूती से उठा रही है और उनके अधिकारों की लड़ाई लड़ती रहेगी।

सुप्रिया श्रीनेत का कार्यक्रम पहले हॉलैंड हॉल हॉस्टल में प्रस्तावित था, लेकिन वहां अनुमति नहीं मिलने के कारण अंतिम समय में कार्यक्रम स्थल बदलकर सलोरी कर दिया गया। इसके बाद शाम सात बजे करीब ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज के मुख्य गेट के पास सड़क किनारे मंच बनाया गया।

जहां हजारों छात्र जुटे। सुप्रिया श्रीनेत ने वहीं छात्रों को संबोधित किया और शिक्षा व्यवस्था, पेपर लीक, बेरोजगारी तथा छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई को लेकर केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा।

उन्होंने छात्रों से कहा, आज इस देश की जो परिस्थिति है, वह किसी से छिपी हुई नहीं है।

पिछले 48 घंटे में इस देश ने जो देखा है और आप लोगों ने अपने टीवी चैनलों, यूट्यूब चैनलों, पोर्टलों और अखबारों के माध्यम से जो दिखाया है, वह इस देश की बड़ी बदसूरत और दुर्भाग्यपूर्ण तस्वीर है।

फास्ट न्यूज

प्रतापगढ़ में किन्नरों के दो गुटों में विवाद

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ में किन्नरों के दो गुटों के बीच विवाद गहरा गया है। मिस्बाह किन्नर गुट ने गुरुवार शाम 5 बजे करीब मीडिया से बातचीत में दूसरे गुट की मुखिया अंजलि किन्नर और उनके समर्थकों पर गंभीर आरोप लगाए। मिस्बाह किन्नर ने दावा किया कि उनके गुट पर लगातार फर्जी मुकदमे और शिकायतें दर्ज कराकर दबाव बनाया जा रहा है।

पूर्व मंत्री पीएल पुनिया का सरकार पर हमला

बाराबंकी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री पीएल पुनिया ने दिल्ली में NEET परीक्षा को लेकर छात्रों के आंदोलन पर केंद्र सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि देश का नौजवान अपने भविष्य को लेकर सड़क पर है, लेकिन सरकार उनकी आवाज सुनने के बजाय बल प्रयोग कर रही है। पुनिया ने मांग की कि छात्रों की मांगों को गंभीरता से सुना जाए और पूरे मामले की जिम्मेदारी तय की जाए। उन्होंने लाखों छात्र-छात्राओं की कड़ी मेहनत और तैयारी के बावजूद परीक्षा प्रणाली में गड़बड़ियों के कारण उनके भविष्य पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव पर चिंता व्यक्त की।

10 हजार का इनामी आरोपी गिरफ्तार

प्रतापगढ़ । प्रतापगढ़ में पट्टी पुलिस ने जानलेवा हमले के मामले में फरार चल रहे 10 हजार रुपये के इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को थाना क्षेत्र के उडैयाडीह मोड़ बस स्टैंड के पास से पकड़ा गया। रेडीगारापुर गांव निवासी वादी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि मोहिनी तालाब के पास कुलदीप चौरसिया, विनय चौरसिया, सचिन चौरसिया और संतोष यादव ने योजनाबद्ध तरीके से उस पर चाकू से हमला किया था।

गोरखपुर में अधिशासी अभियंता पर बरसाए थप्पड़

काला हेलमेट पहनकर आए हमलावर

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर । गोरखपुर के बाढ़ खंड कार्यालय में अधिशासी अभियंता के साथ मारपीट करने और जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। कार्यालय में करीब 20 मिनट तक हंगामा चलता रहा। यहां लगे सीसीटीवी कैमरे में सारी घटना कैद हो गई है। इसमे अधीशासी अभियंता पर काला हेलमेट पहने युवक के साथ अन्य लोग थप्पड़ बरसाते नजर आ रहे हैं।

घटना गुरुवार दोपहर करीब एक बजे की है। सूचना पर पहुंची कैंट पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है। अधीशासी अभियंता ने कार्यालय के ही क्लर्क पर हमला करने का आरोप लगाया है।

कैंट थाना क्षेत्र में पैडलेगंज स्थित बाढ खंड कार्यालय का मुख्य अभियंता विकास सिंह के साथ अधीशासी अभियंता विपिन सिंह निरीक्षण करने गए थे। आरोप है कि इस दौरान आरोपी क्लर्क अपने साथियों के साथ आकर गालियां देने लगा। विरोध करने पर अधीशासी अभियंता पर हमला कर दिया गया।

इस दौरान कार्यालय में अफरा-तफरी का माहौल हो गया। कार्यालय में काम करने वाले कर्मचारी चिल्लाते हुए बीच बचाव भी करने आए। उनके सामने ही काला हेलमेट पहने युवक ने अधीशासी अभियंता पर कई थप्पड़ बरसा दिए। घटना के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए निकल गए।

90 साल उम्र, 5 बार विधायकी जीते, 5 महीने पहले स्कूटर से विधानसभा पहुंचे थे

देश के सबसे उम्रदराज सपा विधायक का निधन

तमसा संकेत, एजेंसी

आजमगढ़। देश के सबसे उम्रदराज सपा विधायक आलमबदी आजमी का 90 साल की उम्र में निधन हो गया। बुधवार देर रात उन्होंने यूपी के आजमगढ़ के आवास पर अंतिम सांस ली। वह पिछले चार महीने से बीमार चल रहे थे। उनका इलाज लखनऊ के मेदांता अस्पताल में चल रहा था। आज दोपहर 5 बजे उन्हें सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा।

आलमबदी आजमी निजामाबाद सीट से पांच बार विधायक रहे। अपनी गांधीवादी छवि के लिए मशहूर आलमबदी आजमी को मुलायम सिंह यादव और अखिलेश यादव के करीबी नेताओं में गिना जाता था। 5 महीने पहले वह स्कूटी से विधानसभा पहुंचे थे, तब सुर्खियों में आए थे। सपा विधायक आलमबदी आजमी के जनाजे में हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए। उनके अंतिम दर्शन के लिए बड़ी संख्या में समर्थक, स्थानीय लोग, शुभचिंतक और पार्टी कार्यकर्ता पहुंचे।

आलमबदी आजमी, सपा विधायक

समाजवादी पार्टी के विधायक आलमबदी आजमी का जनाजा आजमगढ़ के जामियातुर रशाद से अंतिम सफर के लिए रवाना हुआ। बड़ी संख्या में परिजन, समर्थक, स्थानीय लोग और पार्टी कार्यकर्ता उन्हें अंतिम विदाई देने पहुंचे। जनाजे के साथ लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा और पूरे रास्ते गमगीन माहौल रहा। जनाजे की नमाज के बाद उन्हें सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा।

अब 4 विधानसभा सीटें विधायकों के निधन के बाद खाली

आलमबदी के निधन के बाद अब प्रदेश में चार विधानसभा सीटें खाली हो गई हैं। इनमें तीन सीटें सपा और एक सीट भाजपा के खाते की है। इसी साल जनवरी में सोनभद्र की दुद्धी सीट से सपा विधायक विजय सिंह गोंड और बरेली की फरीदपुर सीट से भाजपा विधायक प्रो. श्याम बिहारी लाल का निधन हो गया था।

पिछले साल मऊ की घोसी सीट से सपा विधायक सुधाकर सिंह का निधन हो गया था। हालांकि, इन सीटों पर अब उपचुनाव नहीं होगा, क्योंकि विधानसभा में अब एक साल से भी कम समय बचा है।

विधानसभा अध्यक्ष श्री सतीश महाना ने विधायक श्री आलम बदी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया

आलमबदी आजमी की जनाजे की नमाज अदा की गई

समाजवादी पार्टी के विधायक आलमबदी आजमी की जनाजे की नमाज आजमगढ़ में अदा की गई। अंतिम विदाई में हजारों की संख्या में लोग, समर्थक, पार्टी कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक शामिल हुए।

गांव खाली कर बांध पर पहुंचने लगे लोग आधा दर्जन गांव पानी से घिरे

सरयू-घाघरा का जलस्तर बढ़ने से बाढ़ का खतरा गहराया

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। रामनगर तहसील क्षेत्र के सूरतगंज ब्लॉक के हेतमापुर स्थित सरयू-घाघरा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने से तटवर्ती गांवों में बाढ़ का खतरा गहरा गया है। नदी खतरे के निशान से करीब 6 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है, जिससे सुंदरनगर, बेलहारी, भलाईपुर, बाबापुरवा, ललपुरवा, कोड़री, सरसंडा सहित आधा दर्जन से अधिक गांव चारों ओर से पानी से घिरते जा रहे हैं। गांवों का के आस पास पढ़ते और घटते जलस्तर से धीरे-धीरे कटान भी तेज हो सकती है और ग्रामीणों के सामने सुरक्षित स्थानों तक पहुंचने की चुनौती खड़ी हो गई है। बाढ़ की गंभीर होती स्थिति को देखते हुए सुंदरनगर गांव के लोगों ने अपने घरों का जरूरी सामान समेटकर सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन शुरू कर दिया है। कई परिवारों ने बांध पर पहुंचकर अस्थायी झुग्गियां बनानी शुरू कर दी हैं, ताकि किसी भी आपात स्थिति में जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। ग्रामीण अपने साथ अनाज, कपड़े, बर्तन, पशुओं का चारा तथा घरेलू उपयोग का आवश्यक सामान लेकर बांध पर डेरा डाल रहे हैं। छोटे-छोटे बच्चों और मवेशियों के साथ परिवार खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं। ग्रामीणों को आवश्यक सामान लाने और बीमार लोगों को अस्पताल तक पहुंचाने में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। यदि जलस्तर में और वृद्धि होती है तो गांव का संपर्क पूरी तरह टूट सकता है। सुंदरनगर निवासी कृपाल, मोहम्मद आलम, मोहम्मद अहमद, रामविजय शुक्ला, सुरेश और चेतराम ने बताया कि गांव चारों ओर से पानी से घिर चुका है और अब घरों में पानी घुसने की स्थिति बन गई है। इसी आशंका के चलते वे अपने परिवार तथा जरूरी सामान को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा रहे हैं।

कई परिवारों ने बांध पर बनाई झुग्गियां, प्रशासन अलर्ट

ग्रामीणों का कहना है कि वर्तमान में बांध पर उजाले की कोई व्यवस्था नहीं है, जिससे रात के समय महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को काफी परेशानी होती है।

ग्रामीणों का कहना है कि नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा

ग्रामीणों का कहना है कि नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है और अब घरों में पानी प्रवेश करने की स्थिति बन गई है। करीब आधा दर्जन घरों के दरवाजों तक पानी पहुंच चुका है और कई मकानों में पानी घुसने की आशंका बनी हुई है। वहीं सैकड़ों बीघा धान की फसल जलमग्न होने के कगार पर है, जिससे किसानों की चिंता और बढ़ गई है। सुंदरनगर गांव का संपर्क मार्ग भी बाढ़ के पानी की चपेट में आ गया है। सड़क पर पानी भर जाने से आवागमन प्रभावित हो गया है।

किसानों को अभिलेख सुधार का मिला अवसर

चकबंदी आकार पत्र-5 का वितरण

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। तहसील रामनगर क्षेत्र में चकबंदी प्रक्रिया को पारदर्शी एवं व्यवस्थित ढंग से आगे बढ़ाने के उद्देश्य से सहायक चकबंदी अधिकारी आदित्य नारायण झा के निर्देश पर ग्राम भिटौली खास स्थित प्राथमिक विद्यालय परिसर में जोत चकबंदी आकार पत्र-5 (पर्चा-5) का वितरण किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे। पर्चा-5 मिलने के बाद किसानों में खुशी और उत्साह का माहौल देखने को मिला, क्योंकि इससे उन्हें अपने भूमि अभिलेखों का अवलोकन कर आवश्यक त्रुटियों को सुधारने का अवसर मिलेगा। मौके पर मौजूद चकबंदी लेखपाल ने किसानों को विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि आकार पत्र-5 में संबंधित खातेदारों की भूमि, जोत, हिस्सेदारी एवं अन्य अभिलेखीय विवरण दर्ज किए गए हैं। चकबंदी प्रक्रिया के दौरान अभिलेखों में पाई गई अशुद्धियों को संशोधित कर अद्यतन किया गया है, ताकि आगे की कार्रवाई निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से संपन्न हो सके। उन्होंने किसानों से अपील करते हुए कहा कि सभी किसान अपने-अपने पर्चा-5 का सावधानीपूर्वक अध्ययन करें। यदि किसी भी प्रकार की त्रुटि, भूमि के रकबे, हिस्सेदारी, नाम या अन्य विवरण को लेकर कोई आपत्ति हो तो निर्धारित समय सीमा के भीतर अपनी आपत्ति दर्ज कराएं।

घटना : हाईटेंशन तार गिरा, बचाने में पिता की भी जान गई, बलिया में विधायक से लिपटकर रोई बहन

दरोगा-परीक्षा पास कर चुके 28 साल के युवक की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

बलिया । बलिया में करंट लगने से बाप-बेटे की मौत हो गई। बेटा दरोगा की परीक्षा पास कर चुका था। ट्रेनिंग पर जाने वाला था। गुरुवार सुबह 6 बजे पिता-पुत्र अपने खेत में धान की रोपाई कर रहे थे। तभी ऊपर गुजरा 11 हजार वोल्ट का तार टूटकर गिर गया। बेटा करंट की चपेट में आ गया।

बेटे को तड़पता देखकर पिता बचाने दौड़े। पास पहुंचकर जैसे ही उसे बचाने की कोशिश की, वो भी करंट की चपेट में आ गए। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। आसपास के खेतों में मौजूद लोग भागकर मौके पर पहुंचे। पुलिस को सूचना देकर बिजली सप्लाई बंद कराई। मामला जिला मुख्यालय से 13 किमी दूर बांसडीह रोड थाना क्षेत्र के शहपुरवा गांव का है। हादसे के बाद मौके पर पहुंचे एक्सईएन पंकज कुमार भारती जर्जर तारों को देखकर लौटने लगे तो गांव के लोगों ने भाजपा विधायक केतकी सिंह को कॉल कर सूचना दे दी। विधायक गांव पहुंचीं और रास्ते से एक्सईएन का हाथ पकड़कर खींचते हुए घटनास्थल पर ले गईं। जर्जर तार को दिखाकर बोलीं- छुआऊं तुमको। तार क्यों नहीं बदले। एक्सईएन सिर झुकाकर खड़े हो गए तो विधायक ने कहा- नालायक हो तुम लोग।

विधायक केतकी सिंह से लिपटकर रोती युवक की बहन। इस दौरान विधायक भी भावुक हो गईं।

बांसडीह से भाजपा विधायक केतकी सिंह गांव पहुंचीं। बहन उनसे लिपटकर रोने लगी। विधायक ने समझाया। वो खुद भी भावुक हो गईं। इधर, गुस्साए लोगों ने हाईवे पर जाम लगा दिया। बिजली विभाग पर कार्रवाई और मुआवजे की मांग को लेकर हंगामा करने लगे। पुलिस और विधायक के आश्वासन के बाद मामला शांत हुआ।

करंट से मौत, राहगीरों ने देखा तो पता चला

शहपुरवा गांव में जनार्दन यादव (58) अपने परिवार के साथ रहते थे। परिवार में बेटा राजेश यादव (28) और दो बेटियां हैं। बड़ी बेटी बबिता (30) की शादी हो चुकी है, जबकि छोटी बेटी सीमा (21) घर में रहती है। पत्नी की आठ साल पहले बीमारी से मौत हो चुकी है।

जनार्दन रोज की तरह बुधवार सुबह बेटे के साथ खेत में काम करने चले गए। थोड़ी देर बाद दोनों की करंट लगने से मौत हो गई। रास्ते से गुजरने वाले लोगों की नजर पड़ी तो जनार्दन और राजेश बिजली के तार से लिपटे जमीन पर पड़े थे। शोर मचाकर आसपास के खेतों में काम कर रहे लोगों को बुलाया।

घर में दफन मिली 85 साल के पिता की लाश खोपड़ी समेत पूरी बॉडी गल चुकी थी

तेज बदबू आने पर पड़ोसियों ने बेटों को दिल्ली फोन किया

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ में 85 साल के बुजुर्ग का शव घर के अंदर दफना मिला। घर से तेज बदबू आने पर पड़ोसियों ने यह बात बुजुर्ग के बेटों को फोन पर बताई। इसके बाद दोनों बेटे घर पहुंचे, तो गेट पर ताला लगा था। पिता और छोटा भाई लापता थे।

इसके बाद बेटों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस गेट पर लगा ताला तोड़कर घर के अंदर घुसी, तो पीछे वाले कमरे से तेज बदबू आ रही थी। कमरे के अंदर ही एक कब्र बनी थी। पुलिस ने कब्र खोदकर शव बाहर निकाला, तो बेटों ने कहा- ये तो हमारे पिता हैं। शव की खोपड़ी समेत पूरी बॉडी गल चुकी थी। शिनाख्त के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मामला महेशगंज थाना क्षेत्र का गुरुवार सुबह 7 बजे का है।

जगदीश द्विवेदी, मृतक

महेशगंज गांव में रहने वाले जगदीश द्विवेदी किसान थे। उनकी पत्नी की मौत कई साल पहले हो गई थी। उनके तीन बेटे हैं- संतोष (40), अजय (38) और विजय (36)। संतोष और अजय दोनों दिल्ली में रहकर काम करते हैं। विजय अपने पिता जगदीश के साथ गांव में ही रहता है।

बेटे अजय ने बताया- 21 जुलाई को मेरे पास पड़ोसियों का फोन आया कि आपके घर से बहुत बदबू आ रही है। इसके बाद हम लोगों ने छोटे भाई विजय और पिता जगदीश को फोन किया। लेकिन, दोनों में से किसी का फोन नहीं उठा। लगातार फोन करने के बाद भी जब कोई जवाब नहीं मिला।

पुलिस ने कब्र से मिट्टी हटाई, तो एक हाथ बाहर आ गया

घर पर कोई नहीं था, लेकिन अंदर से तेज बदबू आ रही थी। इसके बाद मैं और संतोष थाने गए। अपने भाई विजय और पिता के लापता होने की रिपोर्ट लिखाई। इसके बाद पुलिस ने दोनों को ढूंढना शुरू किया। पुलिस जांच करने घर पहुंची, तो पीछे वाले कमरे से बदबू आने पर वहां गई। अंदर एक कब्र बनी थी। पुलिस ने जांच के लिए कब्र के ऊपर से मिट्टी हटाई तो एक हाथ दिखाई दिया।

‘सोना-चांदी साफ करने’ का झांसा देकर छह महिलाओं के जेवर ले उड़ीं दो महिलाएं

अब्दुल्लापुर में टप्पेबाजी से हड़कंप

पहले पीतल के बर्तन चमकाकर जीता भरोसा, दो दिन बाद लाखों के आभूषण लेकर फरार होने का आरोप पुलिस ने शुरू की तलाश

आरोप

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकर नगर। अकबरपुर थाना क्षेत्र के अब्दुल्लापुर गांव में सोना-चांदी साफ करने का झांसा देकर टप्पेबाजी की बड़ी घटना सामने आई है। आरोप है कि दो महिलाओं ने गांव की छह महिलाओं को अपने जाल में फंसाकर उनके सोने-चांदी के आभूषण लेकर फरार हो गईं। घटना के बाद गांव में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

पीड़ित महिलाओं के अनुसार, दोनों महिलाएं दो दिन पहले अब्दुल्लापुर गांव पहुंची थीं। उन्होंने ग्रामीणों से पुराने पीतल और अन्य धातु के बर्तन साफ करने की बात कही। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। पीड़ित महिलाओं सरिता चौरसिया, लाली चौरसिया और मालती सहित अन्य महिलाओं ने पुलिस को पूरी घटना की जानकारी दी।

महिलाओं ने बताया कि दोनों आरोपित महिलाओं ने पहले गांव में आकर भरोसा बनाया और फिर जेवर साफ करने के नाम पर आभूषण लेकर चली गईं।

मौके पर पहुंची पुलिस

सूचना मिलते ही अकबरपुर थाना पुलिस गांव पहुंची। पुलिस ने पीड़ित महिलाओं से पूछताछ कर घटना से जुड़े तथ्यों की जानकारी जुटाई। अब पुलिस आरोपित महिलाओं की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और अन्य सुरागों की जांच कर रही है। पुलिस का प्रयास है कि घटना में शामिल महिलाओं तक जल्द पहुंचा जा सके।

बताया जा रहा है कि बर्तन साफ करने के बाद दोनों महिलाओं ने ग्रामीणों का विश्वास हासिल कर लिया। इसके बाद गुरुवार को वह दोबारा गांव पहुंचीं और इस बार सोना-चांदी के जेवर साफ करने का दावा किया।

छह महिलाओं ने दिए पायल, सीकड़ और अन्य आभूषण

दोनों महिलाओं की बातों पर भरोसा कर गांव की छह महिलाओं ने अपने जेवर साफ कराने के लिए उन्हें दे दिए। पीड़ित महिलाओं के अनुसार, इनमें पायल, सीकड़ और अन्य सोने-चांदी के आभूषण शामिल थे। आरोप है कि जेवर साफ करने के बहाने दोनों महिलाओं ने आभूषण अपने पास रख लिए और मौका मिलते ही वहां से फरार हो गईं। कुछ देर बाद जब महिलाओं को ठगी का एहसास हुआ तो उन्होंने शोर मचाया।

घटना के बाद प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार सिंह ने ग्रामीणों से अपील की है कि किसी भी अनजान व्यक्ति को घर में बुलाने या सोना-चांदी साफ करने जैसे दावों पर भरोसा करने से पहले सतर्क रहें। प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार सिंह के अनुसार, शिकायत और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

व्यापारियों से सीधा संवाद राज्य कर विभाग ने दूर की नियमों की उलझन

अंबेडकर नगर में व्यापारी संवाद कार्यक्रम आयोजित

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकर नगर। जीएसटी व्यवस्था को लेकर व्यापारियों और संविदाकारों की समस्याओं के समाधान के लिए राज्य कर विभाग ने मंगलवार को व्यापारी संवाद कार्यक्रम आयोजित किया। राज्य कर कार्यालय के सभागार में हुए कार्यक्रम में व्यापारियों, अधिवक्ताओं और ठेकेदारों को जीएसटी के नियमों, नए प्रावधानों और अनुपालन प्रक्रिया की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में राजस्व संग्रह बढ़ाने के साथ व्यापारियों को कर व्यवस्था को बेहतर ढंग से समझाने पर जोर दिया गया।

संवाद कार्यक्रम में अधिकारियों ने जीएसटी रिटर्न, टीडीएस भुगतान, ई-वे बिल, इनपुट टैक्स क्रेडिट और कर भुगतान से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं की जानकारी दी।

व्यापारियों और संविदाकारों ने जीएसटी से संबंधित अपनी समस्याएं और सुझाव रखे। अधिकारियों ने उनकी समस्याओं पर चर्चा कर समाधान की जानकारी दी।

अधिकारियों ने व्यापारियों से समय पर रिटर्न दाखिल करने और जीएसटी नियमों का पालन सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि विभाग का उद्देश्य करदाताओं को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराना और व्यापार से जुड़ी कठिनाइयों को कम करना है।

कार्यक्रम में उपायुक्त सुनील कुमार सिंह, पीपी सिंह, सहायक आयुक्त रवीन्द्र कुमार, डॉ. अंकित सिंह सहित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। इसके अलावा वरिष्ठ अधिवक्ता, संविदाकार, व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में व्यापारी शामिल हुए।

फास्ट न्यूज

चौहान की बस्ती स्कूल में संचारी रोग जागरूकता अभियान का निरीक्षण

जलालपुर । उच्च प्राथमिक विद्यालय चौहान की बस्ती, भियांव में संचारी रोग नियंत्रण एवं दिमागी बुखार जागरूकता अभियान के तहत चल रही गतिविधियों का निरीक्षण कृषि विभाग के नामित पर्यवेक्षक बेचू राम ने किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय में साफ-सफाई व्यवस्था, जागरूकता कार्यक्रम और शासन की कार्ययोजना के तहत किए जा रहे कार्यों का अवलोकन किया।

पूर्व विधायक गोरखनाथ बाबा का स्वागत

अंबेडकर नगर। आलापुर विधानसभा क्षेत्र के लखनडीह गांव में भाजपा कार्यकर्ताओं ने मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक गोरखनाथ बाबा का स्वागत किया। भाजपा नेता दिनेश पांडेय के आवास पर आयोजित कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों की मौजूदगी रही।

कार्यक्रम के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने संगठन की मजबूती और आगामी गतिविधियों को लेकर चर्चा की। पूर्व विधायक गोरखनाथ बाबा ने कार्यकर्ताओं से पार्टी की नीतियों और सरकार की योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने की अपील की।

वाराणसी में इटली के नागरिक की जमकर पिटाई

वाराणसी। वाराणसी में सोशल मीडिया पर एक विदेशी नागरिक को डंडे से बुरी तरह पीटने का वीडियो वायरल हुआ तो पुलिस एक्शन मोड में आ गई। पुलिस ने विदेशी नागरिक को बुधवार की दोपहर हिरासत में ले लिया और कबीरचौरा में मेडिकल के बाद जिला मानसिक चिकित्सालय में एडमिट कराया है।

टौंस नदी में बढ़ा पानी, डूबा पुल तो प्रशासन ने उतारी नाव

लखमीपुर पुरवा कर्मुल्लाहपुर में ग्रामीणों की राह आसान

तमसा संकेत, संवाददाता

तमसा संकेत,अंबेडकर नगर। टौंस नदी का जलस्तर बढ़ने से प्रभावित हुए लखमीपुर पुरवा कर्मुल्लाहपुर गांव के ग्रामीणों को प्रशासन ने राहत दी है। नदी में पानी बढ़ने से डूबे लकड़ी के पुल के बाद अब आवागमन के लिए नाव की व्यवस्था कर दी गई है।

जलालपुर तहसील क्षेत्र के विकास खंड भियांव अंतर्गत आने वाले इस गांव में लकड़ी का पुल जलमग्न हो गया था। इससे ग्रामीणों का संपर्क प्रभावित हो गया और स्कूली बच्चों, किसानों समेत अन्य लोगों को जरूरी कामों के लिए अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही थी। ग्रामीणों ने आवागमन के लिए नाव उपलब्ध कराने की मांग की थी। जानकारी मिलते ही प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए तहसील टांडा से नाव मंगाकर गांव में उपलब्ध करा दी। नाव की व्यवस्था होने से अब ग्रामीणों को नदी पार करने में सुविधा मिल रही है। इससे बच्चों के स्कूल जाने और लोगों के दैनिक कार्यों में आ रही परेशानी कम हुई है।

अपर जिलाधिकारी न्यायिक रंजीत सिंह ने बताया कि नाव की व्यवस्था से ग्रामीणों का आवागमन सुचारु हो गया है। उन्होंने कहा कि बरसात के दौरान क्षेत्र की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जनसुरक्षा और सुविधाओं को देखते हुए जरूरी इंतजाम समय से सुनिश्चित किए जाएं।

लखनऊ में उपमुख्यमंत्री से मिले भाजपा नेता विवेक मौर्य

जनहित और संगठनात्मक विषयों पर हुआ मंथन

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकर नगर। नारायण फाउंडेशन के संरक्षक और भाजपा नेता विवेक मौर्य ने उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य से मुलाकात की। इस दौरान विभिन्न सामाजिक और संगठनात्मक विषयों पर चर्चा हुई।

मुलाकात के बाद विवेक मौर्य ने बताया कि उपमुख्यमंत्री के साथ जनहित से जुड़े मुद्दों और संगठन की गतिविधियों को लेकर संवाद हुआ। उन्होंने मुलाकात को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि समाज से जुड़े कार्यों को प्रभावी रूप से आगे बढ़ाने के लिए निरंतर संवाद जरूरी है। मुलाकात के दौरान सामाजिक कार्यों, संगठनात्मक गतिविधियों और जनहित से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। विवेक मौर्य ने नारायण फाउंडेशन के माध्यम से किए जा रहे कार्यों की जानकारी भी साझा की।

नारायण फाउंडेशन के संरक्षक ने केशव प्रसाद मौर्य से की मुलाकात, सामाजिक कार्यों को लेकर साझा किए विचार

उन्होंने कहा कि समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंच बनाकर उनकी आवश्यकताओं को समझना और उनके समाधान की दिशा में प्रयास करना प्राथमिकता है। बैठक में संगठन की सक्रियता और कार्यकर्ताओं की भूमिका को लेकर भी चर्चा हुई। विवेक मौर्य ने कहा कि कार्यकर्ताओं के सहयोग से संगठन को और मजबूत बनाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि उपमुख्यमंत्री से मिले मार्गदर्शन से सामाजिक और संगठनात्मक कार्यों को नई दिशा मिलेगी। भाजपा नेता की उपमुख्यमंत्री से मुलाकात की जानकारी सामने आने के बाद स्थानीय कार्यकर्ताओं में भी चर्चा रही। कार्यकर्ताओं ने इसे संगठन और जनहित के मुद्दों को आगे बढ़ाने के प्रयास के रूप में देखा।

सम्मोपुर राजभर बस्ती की समस्याएं पहुंचीं कैबिनेट मंत्री तक

सुविधाओं की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकर नगर। सम्मोपुर राजभर बस्ती की मूलभूत समस्याओं के समाधान को लेकर क्षेत्र के लोगों का प्रतिनिधिमंडल कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर से मिला। राजेश राजभर के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने बस्ती की विभिन्न समस्याओं को लेकर मांग-पत्र सौंपा और जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की।

प्रतिनिधिमंडल ने बस्ती में विद्युत ट्रांसफार्मर की स्थापना, पेयजल की बेहतर व्यवस्था, सड़क निर्माण, नाली निर्माण और स्ट्रीट लाइट की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग रखी। लोगों ने बताया कि इन सुविधाओं के अभाव से स्थानीय निवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने प्रतिनिधिमंडल से समस्याओं की जानकारी ली और मांगों के प्रत्येक बिंदु पर चर्चा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के लिए निर्देशित करने का आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि बस्ती की लंबे समय से चली आ रही समस्याओं के समाधान की दिशा में पहल होने की उम्मीद है। इस दौरान सम्मोपुर राजभर बस्ती के दो दर्जन से अधिक लोग मौजूद रहे।

प्रशासन ने सात मकानों पर लगाया ताला, कब्जा किया सुरक्षित

गौहन्ना में न्यायालय आदेश की कार्रवाई

विवाद

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकर नगर। अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के गौहन्ना गांव में गुरुवार को विवादित भूमि को लेकर प्रशासन ने न्यायालय के आदेश का पालन कराया। राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची और विवादित जमीन पर बने सात मकानों में ताला लगाकर कब्जा सुरक्षित कर लिया। प्रशासन की कार्रवाई के दौरान गांव में हलचल रही, लेकिन पुलिस की मौजूदगी के कारण स्थिति नियंत्रण में रही।

अधिकारियों ने फिलहाल किसी भी मकान को गिराने की कार्रवाई नहीं की है। कार्रवाई के बाद प्रभावित परिवारों ने अपना पक्ष रखते हुए विरोध जताया। ग्रामीणों का कहना है कि वे इस जमीन पर लंबे समय से रह रहे हैं। प्रभावित लोगों ने आरोप लगाया कि ऊसर भूमि को लेकर की गई डिक्री में गड़बड़ी हुई है और इसी आधार पर कब्जा लेने की कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बरसात के मौसम में कार्रवाई से परेशानी बढ़ने की बात कही।

कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए गांव में पुलिस बल तैनात किया गया है। प्रशासन का कहना है कि किसी भी स्थिति में कार्रवाई विधिक प्रक्रिया के तहत ही आगे बढ़ाई जाएगी।

मौके पर पहुंची राजस्व और पुलिस की संयुक्त टीम

प्रशासन के अनुसार न्यायालय ने विवादित भूमि पर हुए निर्माण को हटाकर डिग्रीधारक को कब्जा दिलाने का आदेश दिया है। इसी आदेश के अनुपालन में टीम गौहन्ना पहुंची। मौके का निरीक्षण करने के बाद अधिकारियों ने विवादित भूमि पर बने सात मकानों को चिन्हित किया और उनमें ताला लगाकर कब्जा सुरक्षित किया। प्रशासन ने कहा कि आगे की कार्रवाई न्यायालय के आदेश और निर्धारित कानूनी प्रक्रिया के अनुसार की जाएगी।

> **ग्रामीण जीयाराम यादव, कृपा राम, राम कुबेर, राम उजीगीर वर्मा और जगदीश ने प्रशासन से मामले पर पुनर्विचार की मांग की है। उन्होंने बताया कि वे जिलाधिकारी से मिलकर अपना पक्ष रखेंगे। ग्रामीणों ने कहा कि यदि समाधान नहीं हुआ तो वे आगे कानूनी विकल्पों पर विचार करेंगे।**

दिव्यांग बच्चों को मिलेंगे सहायक उपकरण, लगेगा मेजरमेंट कैंप

एलिम्को कानपुर के सहयोग से होगा पंजीकरण और परीक्षण

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकर नगर। समेकित शिक्षा के तहत विशिष्ट आवश्यकता वाले दिव्यांग बच्चों को सहायक उपकरण और यंत्र उपलब्ध कराने के लिए जिले में मेजरमेंट एवं डिस्ट्रीब्यूशन कैंप आयोजित किए जाएंगे। कैंप में बच्चों की जरूरत के अनुसार उपकरणों का चयन कर बाद में उनका वितरण किया जाएगा।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. पूनम मिश्रा ने बताया कि महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना कार्यालय के निर्देश पर एलिम्को कानपुर के सहयोग से यह अभियान चलाया जा रहा है।

दिव्यांग बच्चों के परीक्षण और पंजीकरण के लिए पहला कैंप 18 अगस्त को ब्लॉक संसाधन केंद्र अकबरपुर और दूसरा कैंप 19 अगस्त को ब्लॉक संसाधन केंद्र जलालपुर में आयोजित होगा। दोनों कैंप सुबह 10 बजे से शुरू होंगे।

इन कैंपों में शारीरिक, बौद्धिक, दृष्टि और वाक्श्रवण दिव्यांग बच्चों का परीक्षण कर आवश्यक उपकरणों का निर्धारण किया जाएगा। चिन्हित बच्चों को सहायक उपकरणों का वितरण अक्टूबर में किया जाएगा। इसके लिए 23 अक्टूबर को ब्लॉक संसाधन केंद्र अकबरपुर और 24 अक्टूबर को ब्लॉक संसाधन केंद्र जलालपुर में डिस्ट्रीब्यूशन कैंप आयोजित होगा।

कैंप में पंजीकरण कराने वाले बच्चों को दिव्यांगता प्रदर्शित करती हुई दो पासपोर्ट साइज फोटो, यूडीआईडी कार्ड या मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा जारी 40 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांगता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, अभिभावक का आय प्रमाण पत्र और विद्यालय संबंधी प्रमाण पत्र साथ लाना होगा। बच्चे अपनी सुविधा के अनुसार किसी भी कैंप में पंजीकरण करा सकते हैं।

विभाग के अनुसार निःशुल्क सहायक उपकरण की सुविधा दो वर्ष में केवल एक बार दी जाएगी। पिछले वर्ष उपकरण प्राप्त कर चुके बच्चों को इस योजना का लाभ दोबारा नहीं मिलेगा।

महिला थाने की काउंसलिंग से सुलझे तीन पारिवारिक विवाद

मिशन शक्ति अभियान के तहत हुई सुनवाई

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकर नगर। मिशन शक्ति अभियान के तहत महिला थाने में गुरुवार को तीन पारिवारिक मामलों की सुनवाई और काउंसलिंग की गई। महिला थानाध्यक्ष ज्योति वर्मा ने दोनों पक्षों और उनके परिजनों को बुलाकर मामले की जानकारी ली।

काउंसलिंग के दौरान पति-पत्नी के बीच चल रहे आपसी विवाद और मतभेदों पर विस्तार से बातचीत की गई। दोनों पक्षों को समझाने के बाद सभी मामलों में आपसी सहमति बनी और समझौता कराया गया।

महिला थाना की पहल पर दंपतियों ने आपसी सहमति से साथ रहने पर सहमति जताई। इसके बाद सभी दंपतियों को परिवार के साथ भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार, काउंसलिंग का उद्देश्य पारिवारिक विवादों का संवाद के माध्यम से समाधान कराना है। काउंसलिंग की कार्रवाई महिला थानाध्यक्ष ज्योति वर्मा और महिला आरक्षी शिवानी सिंह व रुचि की मौजूदगी में पूरी हुई। सुलह के बाद दंपतियों और उनके परिजनों ने पुलिस की पहल के लिए आभार जताया।

संबोधन : रामनगर मारपीट प्रकरण में घायल महिला के मेडिकल को लेकर सर्वण आर्मी का प्रदर्शन

मेडिकल में देरी के आरोप पर सड़क से तहसील तक उठी आवाज

सीएचसी प्रभारी पर कार्रवाई की मांग

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकर नगर। रामनगर मारपीट प्रकरण में घायल महिला के मेडिकल को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जहांगीरगंज के प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. कमलेश चौधरी पर आरोप लगाते हुए सर्वण आर्मी ने जांच और कार्रवाई की मांग उठाई है। संगठन के पदाधिकारियों ने आलापुर तहसील पहुंचकर प्रदर्शन किया और उपजिलाधिकारी को जिलाधिकारी के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में सीएचसी परिसर के सीसीटीवी फुटेज, मेडिकल रजिस्टर, ड्यूटी रजिस्टर और अन्य अभिलेख सुरक्षित रखने की मांग की गई है। संगठन का कहना है कि उपलब्ध वीडियो और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों से पूरे मामले की स्थिति स्पष्ट हो सकती है। सर्वण आर्मी ने घटना के समय मौजूद पुलिसकर्मियों, स्वास्थ्यकर्मियों और सुरक्षा गार्ड के बयान दर्ज कराने की भी मांग रखी है। सर्वण आर्मी ने पूरे मामले की वरिष्ठ अधिकारी से निष्पक्ष जांच कराने, सात दिन के भीतर जांच पूरी करने और दोषी पाए जाने वालों पर कार्रवाई की मांग की है। संगठन ने मांग की है कि यदि जांच में डॉ. कमलेश चौधरी दोषी पाए जाते हैं तो उनके खिलाफ विभागीय और वैधानिक कार्रवाई की जाए। वहीं, शिकायतकर्ता के दोषी पाए जाने पर उसके खिलाफ भी नियमों के अनुसार कार्रवाई हो। सर्वण आर्मी जिलाध्यक्ष राहुल उपाध्याय ने कहा कि संगठन की मांग मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कार्रवाई की है। उन्होंने कहा कि सात दिन में कार्रवाई नहीं होने पर आलापुर तहसील मुख्यालय पर शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

मेडिकल प्रक्रिया में देरी का आरोप, लगाए गंभीर सवाल

सर्वण आर्मी का आरोप है कि 22 जुलाई को रामनगर में हुई मारपीट की घटना के बाद घायलों को मेडिकल परीक्षण के लिए जहांगीरगंज सीएचसी लाया गया था। घायल महिला की स्थिति को देखते हुए जल्द मेडिकल कराने का अनुरोध किया गया, लेकिन प्रक्रिया में देरी हुई। संगठन ने आरोप लगाया कि इस दौरान शिकायतकर्ता के साथ अभद्र व्यवहार किया गया और बाद में उसी व्यक्ति पर सरकारी कार्य में बाधा डालने तथा मेडिकल रजिस्टर क्षतिग्रस्त करने जैसे आरोप लगाए गए। संगठन ने इन आरोपों को गलत बताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है।

बार चुनाव की सरगर्मी तेज ड्रीम पैलेस में जुटे अधिवक्ता

संजय कुमार त्रिपाठी के समर्थन की अपील

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकर नगर। अम्बेडकरनगर बार एसोसिएशन के आगामी चुनाव को लेकर चुनावी गतिविधियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में सोमवार को शहजादपुर स्थित ड्रीम पैलेस में अधिवक्ताओं का स्नेहभोज आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन वरिष्ठ अधिवक्ता सैयद मोहम्मद मंज़र की ओर से किया गया। कार्यक्रम में जनपद न्यायालय समेत विभिन्न तहसीलों से बड़ी संख्या में अधिवक्ता पहुंचे। इस दौरान बार एसोसिएशन चुनाव को लेकर विचार-विमर्श किया गया और संगठन की मजबूती व अधिवक्ताओं के हितों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई।

स्नेहभोज में अध्यक्ष पद के प्रत्याशी संजय कुमार त्रिपाठी के समर्थन को लेकर अधिवक्ताओं से संवाद किया गया। उपस्थित अधिवक्ताओं ने चुनाव से जुड़े विषयों पर अपने विचार रखे और बार एसोसिएशन की भूमिका को लेकर चर्चा की।

कार्यक्रम में अधिवक्ताओं ने बार की एकता बनाए रखने और अधिवक्ताओं के हितों को प्राथमिकता देने की बात कही। वक्ताओं ने संगठन को मजबूत बनाने के लिए आपसी सहयोग को जरूरी बताया। कार्यक्रम के अंत में आयोजक सैयद मोहम्मद मंज़र ने शामिल अधिवक्ताओं को शॉल भेंट कर सम्मानित किया।

सम्पादकीय

चर्चा की प्रतीक्षा में संसद

मानसून सत्र के तीसरे दिन भी संसद नहीं चल पाई, क्योंकि कांग्रेस इस पर अड़ गई कि पहले शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान त्यागपत्र दें, क्योंकि उनके इस्तीफे के बिना संसद में नीट पेपर लीक और इससे जुड़े अन्य विषयों पर सही तरह चर्चा नहीं हो पाएगी। यह विचित्र तर्क है और इसका उद्देश्य जानबूझकर ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न करना है, जिससे संसद में चर्चा ही न हो सके। उसके इस रवैये से उसकी अंगभीरता का ही पता चलता है।

कांग्रेस का व्यवहार यह भी बता रहा है कि उसका उद्देश्य नीट मसले पर संसद में कोई सार्थक चर्चा करना नहीं, बल्कि हंगामा खड़ा करना है। यही भाव भंगिमा कुछ अन्य विपक्षी दलों की भी दिख रही है। यह भी दिख रहा है कि उनमें इसके लिए होड़ मची है कि कौन छात्र हित की अधिक चिंता करता हुआ दिखे। इस सबकी नौबत इसलिए भी आई, क्योंकि सरकार ने नीट मसले पर जंतर-मंतर पर धरना दे रहे समूह सीजेपी से समय रहते संपर्क-संवाद करने की आवश्यकता नहीं समझी। उसने यह काम उस दिन किया, जिस दिन संसद का मानसून सत्र शुरू हो रहा था और साथ ही सीजेपी का संसद मार्च भी। यदि सरकार समय पर सक्रिय होती तो संभवतः जो कुछ हुआ और हो रहा है, उससे बचा जा सकता था। नीट पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की जवाबदेही बनती है, लेकिन उनका इस्तीफा समस्या का समाधान नहीं। ध्यान रहे परीक्षा में सेंध नीट का आयोजन करने वाली एजेंसी एनटीए की निगरानी में कमी के कारण लगी। इस तथ्य की भी अनदेखी न की जाए कि उन्हीं परीक्षकों ने पेपर लीक कराए, जिन पर इस परीक्षा की शुचिता बनाए रखने की जिम्मेदारी थी। स्पष्ट है कि यह नैतिक पतन और भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा का भी मामला है।

इसके खिलाफ भी आवाज उठनी चाहिए। शिक्षा मंत्री का त्यागपत्र विपक्ष को संतुष्ट भले कर दे, लेकिन इससे परीक्षा व्यवस्था में सुधार सुनिश्चित नहीं होगा। आज की सबसे बड़ी आवश्यकता परीक्षाओं की पवित्रता बनाए रखने वाले तंत्र का सही तरीके से निर्माण करना है। एनटीए ने ऐसे तंत्र के निर्माण के लिए अभी जो कदम उठाए हैं, वे पर्याप्त नहीं।

विपक्ष को परीक्षाओं की शुचिता सुनिश्चित करने वाले ठोस तंत्र के निर्माण में सरकार को जवाबदेह बनाने के साथ उसका सहयोग भी करना चाहिए। यह तब संभव होगा, जब इस पर संसद में गंभीरता से चर्चा होगी।

संसद के भीतर-बाहर जैसी परिस्थितियां बन गई हैं, उन्हें देखते हुए शिक्षा मंत्री के त्यागपत्र की संभावना इसलिए नहीं, क्योंकि ऐसा होने पर हर छोटे-बड़े मसले पर संबंधित मंत्री के त्यागपत्र की मांग का सिलसिला कायम हो जाएगा। यह सिलसिला सरकार को कमजोर करने के साथ ही उन तत्वों को बल भी देगा, जो अराजकता पर यकीन करते हैं।

स्व-देखभालः स्वस्थ व्यक्ति से विश्वकल्याण की भारतीय दृष्टि

> “स्व-देखभाल का अर्थ केवल बीमारी से बचना या समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराना नहीं है। इसका वास्तविक अर्थ है-अपने शरीर, मन, भावनाओं, विचारों और आत्मा की समग्र सुरक्षा एवं संवर्धन करना।

मानव सभ्यता के विकास के इस दौर में जितनी तीव्र गति से विज्ञान, तकनीक और भौतिक संसाधनों का विस्तार हुआ है, उतनी ही तेजी से मनुष्य तनाव, अवसाद, असंतुलित जीवनशैली और अनेक नई बीमारियों के जाल में भी उलझता गया है। विडम्बना यह है कि आज मनुष्य के पास संसार की लगभग हर वस्तु के लिए समय है, लेकिन स्वयं के लिए समय नहीं है। वह परिवार, समाज, व्यवसाय और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन तो कर रहा है, परंतु अपने शरीर, मन और आत्मा के प्रति उत्तरदायित्व को लगातार उपेक्षित करता जा रहा है। ऐसे समय में प्रतिवर्ष 24 जुलाई को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय स्व-देखभाल दिवस केवल स्वास्थ्य जागरूकता का अभियान नहीं, बल्कि जीवन को संतुलित, सार्थक और मानवीय बनाने का वैश्विक संदेश है। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि स्वस्थ समाज, समृद्ध राष्ट्र और शांतिपूर्ण विश्व का निर्माण तभी संभव है, जब प्रत्येक व्यक्ति स्वयं की देखभाल को अपना प्रथम कर्तव्य माने। इस दिवस की शुरुआत वर्ष 2011 में इंटरनेशनल सेल्फ-केयर फाउंडेशन ने की। स्व-देखभाल केवल किसी विशेष दिन या अवसर का विषय नहीं, बल्कि चौबीस घंटे और सप्ताह के सातों दिन अपनाई जाने वाली जीवनशैली है।

आज विश्व स्वास्थ्य संगठन भी इस तथ्य को स्वीकार करता है कि यदि व्यक्ति अपनी जीवनशैली को संतुलित बनाए, पौष्टिक भोजन ग्रहण करे, नियमित व्यायाम करे, मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखे और रोगों की रोकथाम को प्राथमिकता दे, तो स्वास्थ्य प्रणालियों पर अनावश्यक दबाव कम होगा और समाज अधिक स्वस्थ बनेगा। किंतु केवल चिकित्सकीय उपाय पर्याप्त नहीं हैं। मनुष्य का स्वास्थ्य तब तक पूर्ण नहीं हो सकता, जब तक उसके भीतर मानसिक संतुलन, नैतिक चेतना और आध्यात्मिक शांति का विकास न हो। वर्तमान समय की सबसे बड़ी विडम्बना यह है कि मनुष्य बाहर से जितना आधुनिक हुआ है, भीतर से उतना ही अशांत होता गया है। प्रतिस्पर्धा, उपभोगवाद और अनियंत्रित महत्वाकांक्षाओं ने जीवन की सहजता को छीन लिया है। तनाव अब केवल कार्यालयों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि परिवारों, विद्यालयों और बच्चों तक पहुँच गया है। यही कारण है कि आज मानसिक रोग, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, हृदय रोग और अवसाद जैसी समस्याएँ वैश्विक चिंता का विषय बन चुकी हैं। ऐसे समय में स्व-देखभाल केवल व्यक्तिगत आवश्यकता नहीं, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय दायित्व भी है। भारत की दृष्टि से देखें तो स्व-देखभाल का विचार कोई नया नहीं है। यह हमारी सनातन सांस्कृतिक चेतना का अभिन्न अंग रहा है। भारत ने हजारों वर्ष पहले ही यह उद्घोष किया था-‘शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्’ अर्थात् शरीर ही सभी श्रेष्ठ कार्यों का प्रथम साधन है। भारतीय चिंतन ने स्वास्थ्य को केवल शरीर की निरोगता तक सीमित नहीं रखा, बल्कि मन, बुद्धि और आत्मा के संतुलन को भी स्वास्थ्य का अनिवार्य आधार माना। आयुर्वेद, योग, ध्यान, प्राणायाम, उपवास, संयम, अहिंसा और सात्त्विक जीवनशैली इसी समग्र दृष्टि के अंग हैं। यही कारण है कि भारत में स्वास्थ्य और अध्यात्म कभी अलग-अलग विषय नहीं रहे, बल्कि एक-दूसरे के पूरक रहे हैं। आज जब संपूर्ण विश्व योग को अपनाकर शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब यह स्मरण करना आवश्यक है कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला है। योग शरीर को स्वस्थ करता है, प्राणायाम मन को संतुलित करता है, ध्यान चेतना को निर्मल बनाता है और अध्यात्म जीवन को दिशा देता है। इसी प्रकार जैन दर्शन का संयम, अहिंसा, प्रेक्षाध्यान और आत्मनिरीक्षण, बौद्ध दर्शन का विपश्यना मार्ग तथा गीता का समत्व योग मनुष्य को भीतर से स्वस्थ बनाते हैं। भारत की यही आध्यात्मिक परंपरा आज विश्व के लिए सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुकी है।

यदि हम वास्तव में स्व-देखभाल को जीवन का हिस्सा बनाना चाहते हैं तो हमें इसे केवल स्वास्थ्य संबंधी गतिविधि न मानकर जीवन-दर्शन के रूप में स्वीकार करना होगा। प्रातःकाल का भ्रमण, नियमित योगाभ्यास, ध्यान, स्वाध्याय, आध्यात्मिक प्रवचनों का श्रवण, संतुलित एवं सात्त्विक भोजन, पर्याप्त नींद, डिजिटल उपकरणों के अत्यधिक उपयोग से बचाव, प्रकृति के साथ समय बिताना, स्व-संवाद, आत्म-साक्षात्कार तथा प्रतिदिन आत्मचिंतन-ये सभी स्व-देखभाल के ऐसे सूत्र हैं जो व्यक्ति को भीतर और बाहर दोनों स्तरों पर स्वस्थ बनाते हैं। यह जीवनशैली न केवल रोगों से बचाती है, बल्कि मनुष्य को सकारात्मक, करुणामय और संतुलित भी बनाती है। आज विकसित भारत का जो स्वप्न देश देख रहा है, उसकी आधारशिला केवल आर्थिक प्रगति नहीं हो सकती। यदि राष्ट्र को वास्तव में विकसित बनाना है तो उसके नागरिकों का स्वस्थ, अनुशासित, संस्कारित और जागरूक होना अनिवार्य है। बीमार और तनावग्रस्त समाज कभी समृद्ध राष्ट्र का निर्माण नहीं कर सकता। स्वस्थ नागरिक ही उत्पादक होंगे, रचनात्मक होंगे और राष्ट्र निर्माण में प्रभावी भूमिका निभा सकेंगे। इसलिए स्व-देखभाल को राष्ट्रीय विकास की रणनीति का भी एक महत्त्वपूर्ण अंग बनाया जाना चाहिए। विद्यालयों, महाविद्यालयों, कार्यस्थलों और सामाजिक संस्थाओं में योग, ध्यान, मानसिक स्वास्थ्य और जीवनशैली शिक्षा को व्यापक रूप से प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। भारत आज विश्वगुरु बनने की दिशा में अग्रसर है। विश्वगुरु बनने का अर्थ केवल आर्थिक या सामरिक शक्ति प्राप्त करना नहीं, बल्कि मानवता को जीवन जीने की श्रेष्ठ दिशा देना है। भारत ने सदैव दुनिया को अहिंसा, करुणा, सह-अस्तित्व, योग और अध्यात्म का संदेश दिया है। आज आवश्यकता इस बात की है कि भारत ‘स्व-देखभाल से विश्वकल्याण’क का नया मंत्र भी विश्व को दे।

ललित गर्ग

जब उपद्रवी तत्व...

अशोक भाटिया

लोकतांत्रिक आंदोलनों की पवित्रता और 'बाहरी तत्वों' की घुसपैठ का गंभीर खतरा

देश की राजधानी दिल्ली का जंतर-मंतर एक बार फिर एक बड़े राजनीतिक और सामाजिक घमासान का केंद्र बन गया है। हाल ही में कॉकरोच जनता पार्टी द्वारा आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान जो कुछ भी देखने को मिला, उसने देश के जागरूक नागरिकों, सुरक्षा एजेंसियों और विचारकों को गहरे चिंता में डाल दिया है। किसी भी जीवंत लोकतंत्र में शांतिपूर्ण असहमति और विरोध प्रदर्शन जनता का मौलिक अधिकार हैं। भारतीय संविधान ने नागरिकों को अपनी मांगों के लिए आवाज उठाने की स्वतंत्रता दी है, लेकिन जब इस स्वतंत्रता की आड़ में अराजकता का नग्न नृत्य होने लगे, तो व्यवस्था पर सवाल उठना लाजिमी है। CJP के हालिया आंदोलन में जिस तरह से सुरक्षा बलों पर पथराव हुआ, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया और दो सहायक पुलिस आयुक्तों सहित छह पुलिसकर्मियों को लहूलुहान किया गया, वह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि प्रदर्शन अब अपनी मूल दिशा और वैचारिक मर्यादा से पूरी तरह भटक चुका है। इस घटनाक्रम का सबसे चिंताजनक पहलू दिल्ली पुलिस और स्वयं आंदोलन के आयोजकों का यह साझा दावा है कि इस पूरे प्रदर्शन पर 'बाहरी असामाजिक तत्वों' ने कब्जा कर लिया है। जब आयोजक खुद यह स्वीकार करने लगें कि उनका आंदोलन उनके नियंत्रण से बाहर हो चुका है और कुछ उपद्रवी तत्वों ने इसे हाईजैक कर लिया है, तो यह देश की आंतरिक सुरक्षा और लोकतांत्रिक ताने-बाने के लिए एक गंभीर खतरे की घंटी है। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय राजनीति और सामाजिक आंदोलनों में यह एक बहुत ही खतरनाक और सोची-समझी परिपाटी बन चुकी है। कोई भी जायज या नाजायज मांग लेकर शुरू हुआ प्रदर्शन अंततः देशविरोधी, अराजक या विशुद्ध रूप से उपद्रवी तत्वों का चारागाह बन जाता है। आंदोलन चाहे छात्रों का हो, किसानों का हो, या किसी राजनीतिक दल का, उसके मंचों और भीड़ में कुछ ऐसे चेहरे दाखिल हो जाते हैं जिनका आंदोलन के मूल एजेंडे से कोई सरोकार नहीं होता। उनका एकमात्र उद्देश्य भीड़ की आड़ लेकर हिंसा को भड़काना, कानून-व्यवस्था को पंगु बनाना और सरकार के खिलाफ एक हिंसक नैरेटिव तैयार करना होता है। CJP के प्रदर्शन में भी यही रणनीति साफ दिखाई दी, जहां शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखने आए आम कार्यकर्ताओं को पीछे धकेलकर पथराव करने वाले चेहरों को आगे कर दिया गया। किसी भी लोकतांत्रिक समाज में पुलिस या सुरक्षा बल किसी दल विशेष के नहीं, बल्कि देश के कानून और व्यवस्था के रक्षक होते हैं। जंतर-मंतर पर तैनात पुलिसकर्मी वहां किसी का दमन करने नहीं, बल्कि राजधानी की सुरक्षा और व्यवस्था को बनाए रखने के लिए मुस्तैद थे। उन पर सोचे-समझे ढंग से पत्थरों और लाठियों से हमला करना केवल ड्यूटी पर तैनात जवानों पर हमला नहीं है, बल्कि यह देश के कानून के इकबाल को खुली चुनौती है। जब उपद्रवी तत्व कानून लागू करने वाली एजेंसियों के अधिकारियों को निशाना बनाने लगें, तो समझ लेना चाहिए कि उनका मकसद अपनी मांगें मनवाना नहीं, बल्कि अराजकता फैलाकर राज्य की व्यवस्था को पंगु बनाना है। दिल्ली पुलिस द्वारा इस मामले में 10 से अधिक एफआईआर दर्ज करना यह दिखाता है कि स्थिति कितनी गंभीर और अनियंत्रित हो चुकी थी। सुरक्षा बलों को आत्मरक्षा और भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस और लाठीचार्ज जैसे सख्त कदम उठाने पड़े, जिसे आयोजकों ने भले ही अमानवीय करार दिया हो, लेकिन इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि यदि समय रहते बल प्रयोग न किया जाता तो राजधानी एक बड़ी त्रासदी का गवाह बन सकती थी। इस पूरे घटनाक्रम में CJP और आंदोलन के शीर्ष नेतृत्व की भूमिका और जवाबदेही पर भी बड़े सवालिया निशान खड़े होते हैं। यह तर्क बेहद खोखला और गैर-जिम्मेदाराना है कि ₹उपद्रवी हमारे नियंत्रण से बाहर थे₹ या ₹वे हमारे लोग नहीं थे।₹ जब आप किसी बड़े प्रदर्शन का आह्वान करते हैं और हजारों की भीड़ को एक जगह इकट्ठा होने का आमंत्रण देते हैं, तो उस भीड़ के आचरण की प्राथमिक जिम्मेदारी आपकी होती है। आयोजक केवल तालियां बटोरने और राजनीतिक लाभ लेने के लिए मंच पर नहीं बैठ सकते; उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके बैनर तले कोई असामाजिक तत्व देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ न करे। यदि आंदोलन में कोई 'बाहरी तत्व' घुस आया था, तो आयोजकों ने स्वयं उन्हें पकड़कर पुलिस के हवाले क्यों नहीं किया? उन्होंने समय रहते मंच से ऐसे तत्वों की निंदा क्यों नहीं की और अपने शांतिप्रिय कार्यकर्ताओं को उनसे अलग क्यों नहीं किया?

उत्तर प्रदेश में स्वयं सहायता समूहों से संवरती नारी शक्ति और ग्रामीण स्वावलंबन की नई राह

उत्तर प्रदेश में प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से व्यापक स्तर पर अभियान संचालित किए जा रहे हैं। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से गाँव-गाँव तक आत्मनिर्भरता की अलख जगी है, जिससे प्रदेश की लाखों महिलाओं के जीवन स्तर में अप्रत्याशित और सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहे हैं। ग्रामीण महिलाओं को आजीविका के स्थायी अवसरों से जोड़कर उन्हें आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाना प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसी कड़ी में राज्य के विभिन्न जिलों में गठित लाखों स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) आज ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूत धुरी बनकर उभर रहे हैं। इन समूहों से जुड़कर महिलाएँ न केवल अपनी बचत बढ़ा रही हैं, बल्कि सूक्ष्म उद्यम स्थापित कर स्वावलंबन की नई गाथा लिख रही हैं। स्वावलंबी महिलाओं की ऐसी ही एक प्रेरणादायक कहानी ग्राम मोहम्मदपुर धैदा की निवासी नीतू कुंडू की है, जो ‘पार्वती महिला ग्राम संगठन‘ और ‘महिला शक्ति क्लस्टर, धैदा‘ से जुड़ी हुई हैं। एक समय ऐसा था जब साधारण ग्रामीण परिवार से ताल्लुक रखने वाली नीतू कुंडू के समक्ष पारिवारिक आर्थिक तंगी और दैनिक खर्चों को पूरा करना एक बड़ी चुनौती बनी हुई थी। परंतु उन्होंने विपरीत परिस्थितियों के आगे हार मानने के बजाय अपनी स्थिति को बदलने का दृढ़ संकल्प लिया।

वर्ष 2021 में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत संचालित ‘राधिका स्वयं सहायता समूह‘ से जुड़कर नीतू कुंडू ने अपने जीवन में स्वावलंबन का एक नया अध्याय प्रारंभ किया। समूह की बैठकों में नियमित सहभागिता और वित्तीय अनुशासन सीखने के उपरांत उनके भीतर छोटी-छोटी बचत करने, आत्मनिर्भर बनने और स्वरोजगार स्थापित करने के प्रति अभूतपूर्व आत्मविश्वास जागृत हुआ।

इसी दौरान कृषि विज्ञान केंद्र और जिला प्रशासन के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों के तहत नीतू कुंडू को खाद्य प्रसंस्करण/विशेषकर स्वादिष्ट अचार एवं मुरब्बा निर्माण का व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर मिला। इस प्रशिक्षण में उन्होंने पूरी निष्ठा के साथ वैज्ञानिक एवं स्वच्छ विधियों से खाद्य सामग्री तैयार करने, उनकी बेहतर पैकेजिंग और गुणवत्ता नियंत्रण की बारीकियों को सीखा। प्रशिक्षण प्राप्त करने के पश्चात उन्होंने अपने गृह स्तर से ही छोटे पैमाने पर अचार एवं मुरब्बा बनाने का व्यवसाय प्रारंभ किया। प्रारंभिक अवस्था में संसाधनों की सीमितता के बावजूद उन्होंने अपने निर्मित उत्पादों की शुद्धता, प्रामाणिकता और विशिष्ट स्वाद पर विशेष ध्यान केंद्रित किया। उनके इस समर्पण और गुणवत्तापूर्ण दृष्टिकोण के चलते शीघ्र ही उनके उत्पादों की मांग केवल उनके गाँव तक सीमित न रहकर आसपास के संपूर्ण ग्रामीण क्षेत्रों में फैलने लगी। स्वयं सहायता समूह के निरंतर संबल, मार्गदर्शन और प्रदेश सरकार द्वारा प्रदान की गई वित्तीय एवं तकनीकी सुविधाओं के बल पर नीतू कुंडू का यह लघु प्रयास आज एक अत्यंत सफल और लाभदायक व्यावसायिक उद्यम का रूप ले चुका है। आज उनकी मासिक आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे वे न केवल अपने परिवार को सुदृढ़ आर्थिक आधार प्रदान करने में सफल हुई हैं, बल्कि अपने और अपने परिवार के सपनों को भी साकार कर रही हैं।

प्रकृति को महत्ता दे आकृति को नहीं

हमको ज्ञानी संतो की वाणी मिली।वह सत्य और अहिंसा की शक्ती मिली। हम फिर भी भौतिकवाद और उपभोक्तावादी चकाचौंध मे फंस गयें हैं । हम क्यों इतना जानने के बाद समझने के बाद मन मे जीवन में दिशाहीन हैं ??? क्योंकि - हमने खुद को इस संसार की क्षणभंगुरता में जकड़ लिया हैं । वह हमको इससे कोई डर भय नही हैं । यह सही हैं कि प्रायः सबकी यही कहानी हैं । व्यक्ति समाज में सामूहिक जीवन जीता हैं । वहां संगति का भी एक विषय बन जाता हैं कि व्यक्ति किसकी संगति में ज्यादा रहता हैं । दुनिया में मित्र बनाए जाते हैं और फिर उनसे संपर्क का क्रम भी रहता हैं । शास्त्रकार ने एक दिशा निर्देश देते हुए सावधान किया हैं कि संगति, संसर्ग क्षुद्रों की मत करो । वह जिनकी प्रकृति क्षुद्र हैं, आदतें अच्छी नहीं हैं, जीवन में उच्चता नहीं हैं, संस्कार अच्छे नहीं हैं, भाषा का प्रयोग भी जिनका अच्छा नहीं हैं, धर्म , अहिंसा , अध्यात्म , आदि का जीवन में प्रभाव नहीं हैं, उनकी संगति करना अच्छा नहीं होता । इस दुनिया में हम यह नहीं समझें कि कोई भी हालात नहीं समझता हैं । वह कोई हमारे जज्बात नहीं समझता हैं । यह तो हमारी अपनी - अपनी समझ है। कोई कागज पढ़ लेता है तो कोई पूरी किताब नहीं समझता हैं, पर समझदार वह हैं जो इन सबसे तरीके से व्यवहार करता हैं । एक व्यक्ति प्रकृति से अच्छा हो सकता हैं, तो दूसरा व्यक्ति प्रकृति से नीचा हो सकता हैं । आकृति और प्रकृति इन दोनों का महत्त्वांकन करें तो आकृति के आधार पर , कोई विश्लेषण किया जा सकता हैं । किसी व्यक्ति का चेहरा अच्छा हैं परन्तु यदि उसकी प्रकृति क्षुद्र हैं तो उसकी आकृति का कोई महत्व नहीं हैं ।

> प्रदीप छाजेड़

जरा हटके

वर्षों तक सहकारी ...

संजय कुमार

डिजिटल तकनीक से सशक्त हो रही सहकारिता

किसानों तक पहुंच रही सहकारी योजनाओं की जानकारी

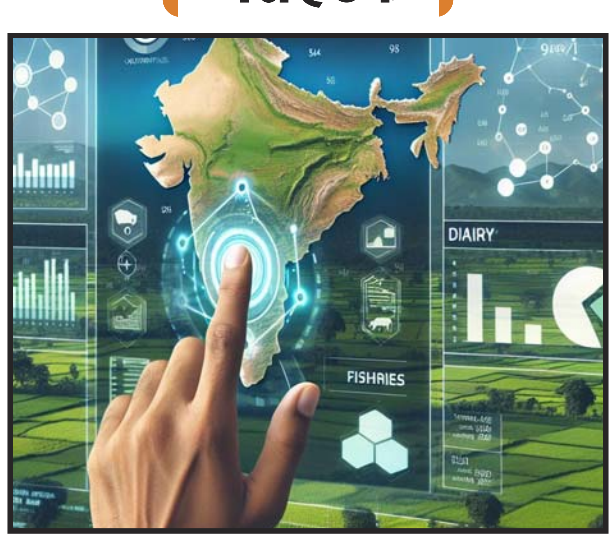

उत्तर प्रदेश में सहकारिता क्षेत्र को आधुनिक, पारदर्शी और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए लखनऊ स्थित सहकारिता भवन में उत्तर प्रदेश सहकारी डेटाबेस सेंटर की स्थापना की गई है। यह केवल एक डेटा सेंटर नहीं, बल्कि प्रदेश की लाखों सहकारी संस्थाओं और उनसे जुड़े करोड़ों किसानों को एक साझा डिजिटल मंच पर जोड़ने की अभिनव पहल है। राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस की अवधारणा को राज्य स्तर पर साकार करते हुए उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य बना है, जिसने अपना समर्पित सहकारी डेटाबेस सेंटर विकसित किया है।

वर्षों तक सहकारी समितियों से संबंधित सूचनाएं अलग-अलग कार्यालयों, रजिस्टरों और अभिलेखों में बिखरी रहती थीं। किसी समिति की स्थिति, सदस्य संख्या, वित्तीय गतिविधियों अथवा योजनाओं से संबंधित जानकारी प्राप्त करने में काफी समय लगता था। इससे योजनाओं के क्रियान्वयन, निगरानी और नीति निर्माण में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। इन चुनौतियों को दूर करने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार ने आधुनिक सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए एकीकृत सहकारी डेटाबेस तैयार किया। उत्तर प्रदेश सहकारी डेटाबेस सेंटर में अब तक प्रदेश की बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समितियों (एम-पैक्स) तथा अन्य सहकारी समितियों का व्यापक डिजिटल डेटा संकलित किया जा चुका है। इसके साथ ही प्रदेश की शीर्ष सहकारी संस्थाओं तथा सहकारिता से जुड़े अन्य विभागों-जैसे गन्ना, दुग्ध, मत्स्य, उद्यान, रेशम, आवास एवं हथकरघा-से संबंधित समितियों का डेटा भी चरणबद्ध तरीके से जोड़ा जा रहा है। इस प्रकार सहकारिता क्षेत्र की समस्त महत्वपूर्ण सूचनाओं को एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराने की दिशा में तेजी से कार्य हो रहा है।

डेटाबेस सेंटर की स्थापना से प्रदेश के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले किसानों को भी प्रत्यक्ष लाभ मिल रहा है। अब सहकारी समितियों का रिकॉर्ड अधिक व्यवस्थित, अद्यतन और पारदर्शी हो गया है। योजनाओं की प्रगति की निगरानी, लाभार्थियों की पहचान, समितियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन तथा आवश्यक निर्णय पहले की तुलना में अधिक तेजी और सटीकता से लिए जा रहे हैं। इससे सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ-साथ किसानों तक सेवाओं की पहुंच भी मजबूत हुई है।

डिजिटल डेटाबेस के माध्यम से सहकारिता विभाग को विभिन्न सहकारी संस्थाओं का समग्र विश्लेषण करने में सुविधा मिल रही है। किसी भी क्षेत्र में कार्यरत सहकारी समिति की जानकारी, उसकी गतिविधियां, सदस्यता, सेवाएं तथा आवश्यक आंकड़े अब एकीकृत रूप में उपलब्ध होने लगे हैं। इससे भविष्य की योजनाओं का निर्माण वास्तविक आंकड़ों के आधार पर किया जा सकेगा, जिससे संसाधनों का बेहतर उपयोग और योजनाओं का अधिक प्रभावी संचालन सुनिश्चित होगा। यह पहल सहकारिता क्षेत्र में पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन को भी नई मजबूती प्रदान कर रही है। डिजिटल रिकॉर्ड होने से सूचनाओं की उपलब्धता आसान हुई है, अभिलेखों के रख-रखाव में सुधार आया है तथा निर्णय प्रक्रिया अधिक वैज्ञानिक और डेटा आधारित बन रही है। इससे सहकारी संस्थाओं की कार्यक्षमता में वृद्धि के साथ किसानों का विश्वास भी मजबूत हो रहा है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सहकारी डेटाबेस सेंटर प्रदेश में डिजिटल परिवर्तन का एक उत्कृष्ट उदाहरण बनकर उभरा है। यह पहल केवल तकनीकी नवाचार तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने, सहकारिता आंदोलन को नई ऊर्जा देने और किसानों को समयबद्ध एवं पारदर्शी सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। आने वाले समय में जैसे-जैसे सहकारिता से जुड़े सभी विभागों और समितियों का डेटा इस प्लेटफॉर्म से जुड़ेगा, यह डेटाबेस प्रदेश के सहकारिता तंत्र को और अधिक सक्षम, प्रभावी तथा भविष्य के लिए तैयार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

लैब में पहुंचते ही 28 में से 27 दवाई हो गई असली, कार्रवाई पर सवाल

एसटीएफ ड्रग्स डिपार्टमेंट ने 72 करोड़ की नकली दवाई पकड़ी

छापेमारी

तमसा संकेत, एजेंसी

जांच में यह भी सामने आया था कि कुछ दवाओं की सप्लाई संबंधित कंपनी ने उस फर्म को कभी की ही नहीं थी। लखनऊ के अमीनाबाद मेडिसिन मार्केट में भी छापेमारी हुई थी।

लखनऊ। औषधि विभाग और एसटीएफ ने अगस्त-2025 में आगरा के फव्वारा थोक दवा बाजार में 72 करोड़ रुपए की नकली दवाई पकड़ने का दावा किया था। उन दवाइयों के 28 सैंपल जांच के लिए सेंट्रल लैब में भेज गए थे। उनमें से 27 दवाइयां सही यानी मानक के अनुरूप पाई गईं। सिर्फ 1 दवाई नकली (सब स्टैंडर्ड) पाई गई।

जून 2026 में भी दवाओं की बड़ी खेप पकड़ी गई थी। उनमें से 90 सैंपल जांच के लिए भेज गए हैं। उनकी रिपोर्ट अब तक नहीं आई है, लेकिन 2025 में जांच के लिए भेजी गईं दवाइयों की रिपोर्ट ने दवा कारोबारियों को चौंका दिया है। औषधि विभाग और एसटीएफ की कार्रवाई पर सवाल उठ रहे हैं। छापेमारी के दौरान 28 नमूने केंद्रीय प्रयोगशाला भेजे गए थे। नवंबर में आई रिपोर्ट में 27 नमूने मानक गुणवत्ता वाले पाए गए और केवल निमोनिया की एक दवा अधोमानक निकली। यहीं से पूरा मामला उलझ गया। सवाल उठने लगे कि अगर कंपनियों ने मौके पर दवाओं को नकली बताया था तो लैब में वही दवाएं असली कैसे निकल गईं? विशेषज्ञों का कहना है कि प्रयोगशाला दवा के रासायनिक कंपोजिशन और गुणवत्ता की जांच करती है, जबकि नकली होने का निर्धारण पैकेजिंग, ट्रेडमार्क, बैच नंबर, क्यूआर कोड और सप्लाई चेन की जांच से भी जुड़ा होता है। ऐसे में दोनों जांचों का दायरा अलग हो सकता है।

एक असली डिब्बे से बनते थे सैकड़ों नकली पैक, ऐसे खुला था खेल

एसटीएफ की जांच में सामने आया था कि गिरोह पहले बाजार से असली दवा का एक पैक खरीदता था। फिर उसी के बैच नंबर और क्यूआर कोड का इस्तेमाल कर 100 से लेकर 1000 तक नकली डिब्बे तैयार किए जाते थे। जब कंपनियों के प्रतिनिधियों ने जांच की तो उन्होंने पाया कि सभी डिब्बों पर एक ही क्यूआर कोड इस्तेमाल किया गया है, जबकि असली कंपनियां हर पैक पर अलग क्यूआर कोड जारी करती हैं।

इसी आधार पर दवा कंपनियों के प्रतिनिधियों ने दवाओं को फर्जी बताया था। एसटीएफ और औषधि विभाग ने दवा किया था कि कालाबाजारी में माफिया का बड़ा फर्जीवाड़ा पकड़ा है।

छापेमारी के दौरान इस दुकान से भी सैंपल लिए गए थे।

छापे के वक्त कंपनियों ने खुद कहा था- ये हमारी असली दवाएं नहीं हैं

22 अगस्त 2025 को औषधि विभाग और एसटीएफ ने आगरा के फव्वारा दवा बाजार में हे मां मेडिको, बंसल मेडिकल एजेंसी और उनकी सहयोगी फर्मों के साथ गोल्डन ट्रांसपोर्ट कंपनी पर छापेमारी की थी। जांच के दौरान कई दवा कंपनियों के अधिकृत प्रतिनिधियों को मौके पर बुलाया गया था। उन्होंने पैकेजिंग, फॉन्ट, होलोग्राम, बैच नंबर और क्यूआर कोड का मिलान करने के बाद कई दवाओं को फर्जी बताया था। जांच में सामने आया था कि अधिकांश दवाएं पुडुचेरी की अमान फार्मा, मीनाक्षी फार्मा और परम हाउस के नाम पर खरीदी दिखाई गई थीं।

मौके से बड़ी मात्रा में एंटी एलर्जिक दवा एलेग्रा समेत कई ब्रांड की दवाएं बरामद हुई थीं।

'उत्तर प्रदेश में आयोजित होगा 'गो-टेक 2026'

तमसा संकेत, संवाददाता

गो-संरक्षण से गो-आधारित सर्कुलर बायोइकोनॉमी तक - तकनीक, नवाचार और प्राकृतिक कृषि का संगम बनेगा 'गो-टेक'

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आगामी अक्टूबर 2026 में प्रस्तावित चार दिवसीय 'गो-टेक 2026' को प्रदेश में गो संरक्षण, तकनीकी नवाचार, प्राकृतिक कृषि और गो आधारित ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने वाले एक बड़े मंच के रूप में विकसित किया जाएगा। इसी क्रम में आज उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग के सभागार, इन्दिरा भवन, लखनऊ में आयोजन की तैयारियों एवं रूपरेखा को लेकर महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग के अध्यक्ष श्री श्याम बिहारी गुप्ता ने की। बैठक में डॉ. वल्लभभाई कथीरिया, पूर्व केंद्रीय मंत्री, पूर्व सांसद, पूर्व अध्यक्ष राष्ट्रीय कामधेनु आयोग एवं पूर्व अध्यक्ष, गुजरात गोसेवा एवं गौचर विकास बोर्ड की गरिमामयी उपस्थिति रही। बैठक में डीडी किसान के संस्थापक श्री नरेश सिरोही, बनासकांठा गोमूत्र डेयरी के श्री देवाराम पुरोहित एवं रूरल हब के श्री गौरव गुप्ता सहित आयोग के मा० सदस्यों श्री राजेश सिंह सेंगर, श्री दीपक गोयल एवं श्री रमाकांत उपाध्याय तथा विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों एवं प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। बैठक में तय किया गया कि 'गो-टेक 2026' केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि गौशालाओं, किसानों, वैज्ञानिकों, तकनीकी विशेषज्ञों, शोध संस्थानों, स्टार्टअप्स और उद्यमियों को एक मंच पर लाने वाला ज्ञान, तकनीक और नवाचार का साझा प्लेटफॉर्म होगा। इसका उद्देश्य सफल मॉडलों को साझा करने के साथ उन्हें बड़े स्तर पर लागू करने के लिए ठोस और परिणामपरक कार्ययोजना तैयार करना होगा।

फास्ट न्यूज

छात्रों को पकड़-पकड़कर ले गई पुलिस

लखनऊ । लखनऊ में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर बुधवार को भीम आर्मी से जुड़े छात्रों और पदाधिकारियों ने विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन-कारी बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर एकत्र हुए और केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए दिल्ली में धरना दे रहे छात्रों की मांगों का समर्थन किया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि दिल्ली में छात्रों के समर्थन में चल रहे आंदोलन के साथ वे पूरी मजबूती से खड़े हैं।

लखनऊ में धर्म परिवर्तन को लेकर आधी रात को हंगामा

लखनऊ। लखनऊ के मोहन-लालगंज के भरसवा गांव में बुधवार रात धर्मांतरण के आरोप को लेकर ग्रामीणों ने हंगामा किया। ग्रामीणों का आरोप है कि तमिलनाडु से आए कुछ लोग गांव में लोगों को लालच देकर ईसाई धर्म अपनाने के लिए दबाव बना रहे थे। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और तमिलनाडु से आए पांच लोगों समेत 7 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी।

ग्रामीणों का आरोप है कि उन लोगों ने कहा कि यदि वे ईसाई धर्म स्वीकार कर चर्च जाना शुरू कर देंगे, तो उनके घर संतान होगी।

गोमती के पानी में प्रदूषण से सफेद झाग का उफान

लखनऊ। बारिश शुरू होते ही गोमती नदी में प्रदूषण बढ़ गया है। शहर के कई हिस्सों में नदी के ऊपर सफेद झाग की मोटी परत दिखाई देने लगी है। नालों का बिना शोधित पानी तेजी से गोमती नदी में पहुंच रहा है। जिससे नदी का पानी और ज्यादा प्रदूषित हो गया है। लखनऊ के 27 बड़े नाले सीधे गोमती नदी में गिर रहे हैं।

हुलासखेड़ा का संरक्षण कार्य 175 लाख रुपये की धनराशि से पूरा

तमसा संकेत, संवाददाता

हुलासखेड़ा को विशिष्ट स्तर के पर्यटन स्थल के रूप में पहचान दिलायी जायेगी
--जयवीर सिंह

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के समीप मोहनलालगंज स्थित प्राचीन स्थल हुलासखेड़ा के संरक्षण, संवर्द्धन एवं पर्यटन विकास हेतु विभिन्न कार्य चरणबद्ध रूप से कराये जा रहे हैं। यह स्थल ऐतिहासिक तथा पुरातात्विक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। वर्तमान में पर्यटन विभाग द्वारा यहां स्थल विकास कार्य कराये जा रहे हैं, जिसमें ओपेन एम्फीथीएटर, टॉयलेट ब्लॉक, कैफेटेरिया तथा आकर्षक लैण्ड स्केपिंग शामिल है। इस संरक्षित पुरास्थल को एक उत्कृष्ट विरासत के रूप में स्थापित कर पर्यटन के लिहाज से तैयार किया जा रहा है। यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि इस संरक्षित प्राचीन स्थल पर पिछले वित्तीय वर्ष में उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्व निदेशालय लखनऊ द्वारा प्रथम चरण में 175 लाख रुपये की लागत साइट संरक्षण का कार्य पूरा कराया गया है। चालू वित्तीय वर्ष में द्वितीय चरण के अंतर्गत 169 लाख रुपये की विस्तृत परियोजना का डीपीआर तैयार कराया गया है।

उन्होंने बताया कि प्रथम एवं द्वितीय चरण के संरक्षण कार्य तथा पर्यटन विभाग द्वारा कराये जा रहे आधारभूत पर्यटन अवसंरचना विकास कार्यों के पूरा होने के उपरान्त हुलासखेड़ा उत्खनन स्थल प्रदेश के प्रमुख पुरातात्विक एवं विरासत पर्यटन स्थलों में एक अलग पहचान स्थापित करेगा। साथ ही शोध, शिक्षा एवं सांस्कृतिक पर्यटन को नई दिशा प्रदान करेगा।

अखिलेश यादव का भाजपा पर हमला, जौहर यूनिवर्सिटी को बताया शिक्षा का मंदिर

'जौहर यूनिवर्सिटी को बचाने की लड़ाई में साथ हैं हम'

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने गुरुवार को भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि देश मानता है कि भाजपा आक्रांता की तरह काम कर रही है। इतिहास गवाह है कि विश्वविद्यालयों को तोड़ने वाले कभी अपने नहीं रहे हैं। उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार नकारात्मकता का नया इतिहास लिख रही है।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार छात्र, नौजवान और शिक्षा विरोधी है। सरकार के एजेंडे में शिक्षा, नौकरी और रोजगार नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने नौजवानों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है।

अखिलेश यादव ने कहा कि जौहर यूनिवर्सिटी को बचाने की मुहिम में समाजवादी पार्टी पूरी तरह साथ है। उन्होंने कहा कि हर विश्वविद्यालय शिक्षा का मंदिर होता है और इसे बचाने के लिए देशभर के लोगों से सहयोग की अपील की जाएगी। उन्होंने भाजपा सरकार पर बदले की भावना से कार्रवाई करने का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार को जौहर यूनिवर्सिटी को अपनी संकीर्ण राजनीति का शिकार नहीं बनाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि दिल्ली में परीक्षा को लेकर आंदोलन चल रहा है, जबकि रामपुर में शिक्षा को बचाने की लड़ाई चल रही है। जौहर यूनिवर्सिटी को बचाना वहां पढ़ने वाले छात्रों के भविष्य को बचाने जैसा है। इसी उद्देश्य से समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल रामपुर पहुंचा और छात्रों की मांगों का समर्थन किया।

पेपर लीक मामले पर सरकार को घेरा शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग

मीडिया से बातचीत के दौरान अखिलेश यादव ने नीट परीक्षा लीक मामले को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि नीट परीक्षा लीक सरकार की गलती थी, जिसके कारण परीक्षा दोबारा करानी पड़ी। उन्होंने मांग की कि सरकार छात्रों और नौजवानों की मांगों को स्वीकार करे। अखिलेश यादव ने कहा कि जब तक शिक्षा मंत्री इस्तीफा नहीं देंगे, समाजवादी पार्टी सदन में छात्रों की आवाज उठाती रहेगी। उन्होंने कहा कि नीट परीक्षा लीक के बाद जिन छात्रों की जान गई है, उनके परिवारों की मांगों को सरकार को पूरा करना चाहिए।

> **अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में लगातार पेपर लीक हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र और उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकारों में पेपर लीक कराने की प्रतिस्पर्धा चल रही है।**
> **उन्होंने कहा कि पेपर अपने आप लीक नहीं हो रहे, बल्कि उन्हें लीक कराया जा रहा है। भाजपा सरकार छात्रों को नौकरी और आरक्षण नहीं देना चाहती।**

लखनऊ में 6 राज्यों के 35 एजेंट अमेरिकी लोगों को ठगते थे, 4 गिरफ्तार

मामा-भांजा चला रहे थे ठगी का इंटरनेशनल कॉल सेंटर

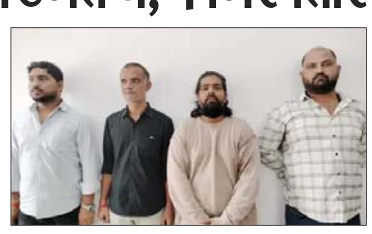

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ के विभूतिखंड इलाके में पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगी करने वाले फर्जी कॉल सेंटर का खुलासा किया। अमेरिका के नागरिकों को फर्जी एप्पल कस्टमर सपोर्ट अधिकारी बनकर ठगा जा रहा था। पुलिस ने कॉल सेंटर के चार संचालकों को गिरफ्तार किया है। मौके पर मिले 35 कॉलिंग एजेंटों की भूमिका की जांच की जा रही है। कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में लैपटॉप, मोबाइल और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए गए हैं।

डीसीपी पूर्वी डॉ. दीक्षा शर्मा ने गुरुवार दोपहर 2:30 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि 22 जुलाई की रात विभूतिखंड थाना प्रभारी उपेंद्र सिंह जलवा बार के सामने वाहन चेकिंग कर रहे थे। इस दौरान मुखबिर से साइबर हाइट बिल्डिंग की चौथी मंजिल स्थित फ्लैट नंबर 420A में फर्जी कॉल सेंटर चलने की सूचना मिली। इसके बाद क्राइम टीम के साथ रात करीब 2:55 बजे छापा मारकर कॉल सेंटर पकड़ा।

रिश्तेदारों संग गैंग चला रहा था मास्टरमाइंड

पुलिस ने मौके से प्रतापगढ़ निवासी सूरज त्रिपाठी, उसके रिश्तेदार विवेक पांडेय और राहुल त्रिपाठी व मुंबई निवासी तकनीकी विशेषज्ञ आकाश अरुण दत्ता उर्फ रिक्की को गिरफ्तार किया। जांच में सामने आया कि सूरज पूरे गिरोह का मास्टरमाइंड है, जबकि आकाश फर्जी वेबसाइट और VOIP सिस्टम संचालित करता था।

ऐसे करते थे अमेरिका के लोगों से ठगी

जांच में पता चला कि गिरोह गूगल पर विज्ञापन के जरिए फर्जी एप्पल कस्टमर सपोर्ट वेबसाइट को प्रमोट करता था। वेबसाइट पर दिए गए नंबर पर अमेरिका से कॉल आने पर VOIP के जरिए कॉल लखनऊ स्थित कॉल सेंटर पहुंचती थी। यहां एजेंट खुद को कस्टमर सपोर्ट अधिकारी बताते थे।

इसके बाद कॉल क्लोजर खुद को FTC या अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट जैसे सरकारी विभाग का अधिकारी बताकर पीड़ितों को डराते या लालच देकर गिफ्ट कार्ड, सोना या नकदी के रूप में रकम ऐंठ लेते थे।

योगी सरकार में हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग को नया विस्तार

मंत्री राकेश सचान ने की टेक्सटाइल और अपैरल पार्क योजनाओं की समीक्षा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग क्षेत्र को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए योगी सरकार निरंतर प्रयासरत है। इसी क्रम में गुरुवार को विधानसभा के मुख्य भवन के प्रथम तल स्थित कक्ष संख्या-80 में खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग मंत्री राकेश सचान की अध्यक्षता में विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संत कबीर टेक्सटाइल पार्क एवं अपैरल पार्क योजना की प्रगति सहित विभाग की अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। मंत्री सचान ने योजनाओं के क्रियान्वयन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर अधिकारियों से चर्चा कर समयबद्ध और प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में वस्त्रोद्योग क्षेत्र की अपार संभावनाओं को देखते हुए योजनाओं को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाना आवश्यक है, ताकि उत्तर प्रदेश को टेक्सटाइल एवं अपैरल सेक्टर का प्रमुख केंद्र बनाया जा सके। मंत्री सचान ने कहा कि योगी सरकार की प्राथमिकता उद्योगों के विकास के साथ-साथ अधिक से अधिक रोजगार सृजित करना है। टेक्सटाइल पार्क और अपैरल पार्क जैसी योजनाएं औद्योगिक इकाइयों की स्थापना, निवेश को प्रोत्साहन और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी, साथ ही कारीगरों और बुनकरों को बेहतर अवसर मिलेंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि विभागीय योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक समय पर पहुंचे और क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर विलंब न हो। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार पारंपरिक उद्योगों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने और रोजगारपरक माहौल तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पारदर्शिता : छात्रवृत्ति योजनाओं को मिलेगी डिजिटल गति, हर पात्र विद्यार्थी तक समय पर पहुंचेगा लाभ

'अब और आसान होगी छात्रवृत्ति की राह'

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाज कल्याण विभाग की योजनाओं को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और तकनीक-सक्षम बनाने के लिए एक अहम पहल की गई है। समाज कल्याण विभाग और पिरामल फाउंडेशन फॉर एजुकेशन लीडरशिप (PFEL) के बीच गुरुवार को गोमती नगर स्थित भागीदारी भवन में एक समझौता ज्ञापन (MOU) पर हस्ताक्षर किए गए। यह MOU समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री असीम अरुण, प्रमुख सचिव समाज कल्याण श्री अनुराग यादव, निदेशक समाज कल्याण श्री संजीव सिंह की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर पिरामल फाउंडेशन के कोर टीम मेंबर श्री घनश्याम सोनी, श्रीमती अराधना खेतान ने पौधा भेंट कर अतिथियों का स्वागत किया। इस दौरान भविष्य की कार्ययोजना पर भी चर्चा की गई।

उन्होंने बताया कि इसके अंतर्गत राज्य, जिला और ब्लॉक स्तर के अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रशिक्षण और क्षमता विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा ताकि योजनाओं का क्रियान्वयन और अधिक प्रभावी बन सके। छात्रवृत्ति योजनाओं के बेहतर संचालन, निगरानी के लिए स्कॉलरशिप प्रोग्राम मैनेजमेंट यूनिट (PMU) स्थापित होगी।

पहले चरण में छात्रवृत्ति व्यवस्था होगी और मजबूत

योजनाधिकारी और उपनिदेशक समाज कल्याण श्री आनंद कुमार सिंह ने बताया कि पहले चरण में छात्रवृत्ति योजना पर विशेष रूप से कार्य किया जाएगा। छात्रवृत्ति आवेदन से लेकर वितरण तक की पूरी प्रक्रिया को डिजिटल तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और आधुनिक प्रबंधन प्रणाली से जोड़ा जाएगा, ताकि पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके।

> हमारा लक्ष्य केवल तकनीकी सुधार करना नहीं, बल्कि सुशासन, पारदर्शिता, जवाबदेही और अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं की प्रभावी पहुंच सुनिश्चित करना है। इस साझेदारी से विभाग की कार्यप्रणाली और अधिक सुदृढ़ होगी। विभिन्न स्तरों पर बेहतर समन्वय स्थापित होगा और पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ अधिक सरल, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पहुंच सकेगा।
> **-असीम अरुण, राज्यमंत्री समाज कल्याण (स्वतंत्र प्रभार)**

शालीमार अपार्टमेंट की 7वीं मंजिल से 4 मजदूर गिरे

लखनऊ। लखनऊ के महानगर थाना क्षेत्र स्थित शालीमार गैलेंट अपार्टमेंट में गुरुवार को निर्माण कार्य के दौरान बड़ा हादसा हो गया। सातवीं मंजिल पर प्लास्टर का काम कर रहे चार मजदूर पाइप टूटने से नीचे गिर गए, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही महानगर पुलिस, प्रशासनिक अधिकारी और राहत-बचाव टीमें मौके पर पहुंच गईं। घायलों को तत्काल पास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। तहसीलदार सदर जय प्रकाश ने बताया कि प्रारंभिक जांच में हादसे की वजह कार्य के दौरान पाइप का टूटना सामने आया है। अब तक चार मजदूरों (छोटू कुमार (28), सुरेंद्र कुमार (45), निक्कू (24), मोनू (25)) के घायल होने की पुष्टि हुई है। सभी घायल मजदूर समस्तीपुर, बिहार के रहने वाले हैं।

छात्रवृत्ति भुगतान के लिए विस्तृत समय-सारिणी जारी

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 11 अगस्त से शुरू होगी

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष/शैक्षिक सत्र 2026-27 में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, सामान्य वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक वर्ग के विद्यार्थियों के लिए संचालित पूर्वदशम (कक्षा 9-10) एवं दशमोत्तर (कक्षा 11-12) छात्रवृत्ति योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु विस्तृत समय-सारिणी जारी कर दी है। प्रमुख सचिव, समाज कल्याण विभाग ने इस संबंध में शासनादेश जारी कर दिया है। जारी कार्यक्रम के अनुसार प्रदेश के सभी मान्यता प्राप्त विद्यालयों द्वारा 22 जुलाई से 5 अगस्त 2026 तक मास्टर डाटा तैयार कर ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। इसके बाद जिला विद्यालय निरीक्षक एवं संबंधित अधिकारी विद्यालयों का सत्यापन, मान्यता, सीटों तथा अन्य विवरणों का प्रमाणीकरण करेंगे। अल्पसंख्यक वर्ग के निजी विद्यालयों की पोर्टल पर मार्किंग की प्रक्रिया भी निर्धारित समय में पूरी की जाएगी।

नवीनीकरण श्रेणी के विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन आवेदन एवं हार्डकॉपी जमा करने की प्रक्रिया 11 अगस्त से 25 अगस्त, 2026 तक चलेगी। विद्यालय स्तर पर बायोमेट्रिक प्रमाणी-करण, आवेदन सत्यापन एवं अग्रसारण 30 अगस्त तक किया जाएगा। जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा वास्तविक छात्र संख्या का सत्यापन 31 अगस्त से 10 सितंबर तक तथा एनआईसी द्वारा स्क्रूटनी 11 से 17 सितंबर तक की जाएगी। इसके बाद जिला स्तरीय समिति द्वारा डाटा लॉक, मांग सृजन तथा पीएफएमएस (च्थ्डै) के माध्यम से छात्रवृत्ति की धनराशि का अंतरण चरणबद्ध ढंग से अक्टूबर के अंत तक पूरा किया जाएगा। यदि किसी आवेदन में त्रुटि या संदिग्ध डाटा पाया जाता है तो उसके सत्यापन, पुनः स्क्रूटनी एवं संशोधन के लिए अलग समय-सारिणी भी निर्धारित की गई है।

चित्रकूट घूमने आए थे, पहाड़ी पर तीन युवकों ने वनकर्मी बताकर धमकाया, दरिंदगी की

बॉयफ्रेंड को बंधक बनाकर नीट छात्रा से गैंगरेप

शर्मनाक

तमसा संकेत, एजेंसी

चित्रकूट। यूपी के चित्रकूट में बॉयफ्रेंड को बंधक बनाकर NEET छात्रा से तीन युवकों ने गैंगरेप किया। पुलिस के मुताबिक, 20 साल की छात्रा 17 साल के बॉयफ्रेंड के साथ पहाड़ी पर बैठी थी, तभी आरोपी पहुंचे। खुद को वनकर्मी बताकर दोनों को धमकाया।

बॉयफ्रेंड को बेल्ट से पीटा और उसके हाथ-पैर गमछे से बांध दिए। तीनों छात्रा को घसीटते हुए झाड़ियों में ले गए। दरिंदगी की। वारदात के बाद तीनों भाग गए। बॉयफ्रेंड ने खुद के हाथ-पैर खोले और छात्रा के पास पहुंचा। वह बदहवास थी। बॉयफ्रेंड ने ही फोन करके पुलिस को जानकारी दी। वारदात बुधवार दोपहर 3 बजे देवांगना घाटी जंगल की है। यहां की जिला मुख्यालय से दूरी 12 किमी है। छात्रा चित्रकूट से सटे मध्य प्रदेश के सतना की रहने वाली है। वह राजस्थान के कोटा में रहकर NEET की तैयारी करती है। उसका बॉयफ्रेंड चित्रकूट का ही रहने वाला है। 12वीं में पढ़ता है।

गुरुवार दोपहर 2 बजे एडीजी जोन ज्योति नारायण प्रयागराज से चित्रकूट पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस अफसर से अब तक हुई जांच के बारे में पूछा।

नाबालिग बॉयफ्रेंड को धमकाया चिल्लाए तो पहाड़ी से फेंक देंगे

बॉयफ्रेंड ने पुलिस को पूछताछ में बताया- 2 साल पहले सोशल मीडिया पर उसकी लड़की से दोस्ती हुई थी। कुछ दिन पहले छात्रा छुट्टी पर घर आई थी। मैंने घूमने के लिए चित्रकूट बुलाया था। बुधवार दोपहर चित्रकूट पहुंची। दोपहर एक बजे बाइक से हम दोनों देवांगना घाटी पहुंचे। घाटी की पहाड़ी पर बैठकर रील बना रहे थे। दोपहर 3 बजे तीन युवक बाइक से पहुंचे। उन्होंने अचानक बाइक रोक ली। पूछताछ करने लगे। गर्लफ्रेंड को बैड टच करने लगे। मैंने विरोध किया तो बेल्ट से पीटा। एक ने मुझे पकड़ लिया। गमछे से हाथ-पैर बांध दिए। बाकी दोनों गर्लफ्रेंड को धमकाने लगे। कहने लगे कि शोर मचाया तो पहाड़ी से नीचे फेंक देंगे। फिर जबरन गर्लफ्रेंड को झाड़ियों में ले गए। उसके साथ दरिंदगी की। थोड़ी देर बाद मुझे बंधक बनाकर खड़ा आरोपी भी झाड़ियों में चला गया। गर्लफ्रेंड से रेप किया। गर्लफ्रेंड चिल्लाती रही। रहम की भीख मांग रही थी। लेकिन आरोपी ने उसे नहीं छोड़ा। मैं जमीन पर पड़ा उसकी चीखें सुन रहा था। खुद को छुड़ाने के लिए छटपटा रही थी। किसी तरह मैंने अपने हाथ खोले। गर्लफ्रेंड के पास भागकर पहुंचा। तब तक आरोपी भाग चुके थे। मैंने मोबाइल से डायल-112 पर कॉल किया। नेटवर्क न होने के कारण कॉल नहीं लगी। पहाड़ी से कुछ नीचे उतरा तो मोबाइल में नेटवर्क आया। फिर से कॉल कर पुलिस बुलाई। शाम 4.45 बजे पुलिस पहुंची और हम दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने बताया कि दोनों के पिता प्राइवेट जॉब करते हैं।

घटनास्थल से 2 किमी दूरी पर CCTV में तीनों आरोपी बाइक से जाते हुए नजर आए हैं। पुलिस ने यह सीसीटीवी जारी किया है।

दोनों का मेडिकल परीक्षण कराया जाएगा

थाना प्रभारी विवेक सिंह ने बताया- देवांगना घाटी में दुष्कर्म की सूचना पर पहुंची पुलिस दोनों को अस्पताल ले गई। लड़के को प्राइमरी इलाज के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया है। छात्रा का मेडिकल कराया जा रहा है। एसपी अरुण कुमार सिंह ने बताया-छात्रा ने पुलिस को दिए अपने बयान में गैंगरेप की बात कही है। बॉयफ्रेंड नाबालिग है। इसलिए उसका भी मेडिकल परीक्षण कराया जाएगा।

बीजेपी विधायक का घेराव करने जा रहे सपाइयों को रोका

पुलिस से नोकझोंक सपा नेता का घर बना छावनी

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा । आगरा उत्तर विधानसभा क्षेत्र के विधायक पुरुषोत्तम खंडेलवाल के घर का घेराव करने जा रहे सपा कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रोक दिया। कमला नगर निवासी सपा नेता नितिन कोहली का घर छावनी बन गया। सभी रास्तों को बेरीकेडिंग कर रोक दिया।

भाजपा विधायक के घर का घेराव करने और उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने के लिए जाने पर अड़े सपा नेताओं की पुलिस से तीखी नोकझोंक भी हुई। लगभग एक घंटे तक सपा नेता के घर के बाहर खींचतान होती रही। बाद में मौके पर पहुंचे एडीसीपी हिमांशु गौरव ने तहरीर लेकर सपा नेताओं का गुस्सा शांत किया।

भाजपा विधायक पुरुषोत्तम खंडेलवाल ने सांसद डिंपल यादव को लेकर 19 जुलाई को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था। इससे सपा के नेता भड़क गए थे। 20 जुलाई को सपा नेता नितिन कोहली ने प्रेस वार्ता करके भाजपा विधायक से 2 दिन में माफी मांगने का अल्टीमेटम दिया है।

ऐसा न करने पर उन्होंने विधायक के घर का घेराव करने और मुकदमा दर्ज कराने की चेतावनी दी है।

आगरा उत्तर विधानसभा सीट से पुरुषोत्तम खंडेलवाल भाजपा के विधायक हैं। वह लगातार दूसरी बार जीते हैं।

फास्ट न्यूज

आगरा में राज चौहान हत्याकांड में फरार आरोपी गिरफ्तार

आगरा । ट्रांस यमुना पुलिस ने चर्चित राज चौहान हत्याकांड के फरार आरोपी आर्यन को गिरफ्तार कर लिया है। यह हत्याकांड 23 जनवरी को टेढ़ी बगिया स्थित एसएन स्टे गेस्ट हाउस में हुआ था। आरोपी पिछले छह महीने से पुलिस को चकमा दे रहा था। थानाध्यक्ष हरेंद्र कुमार के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी आर्यन सीता नगर, रामबाग, थाना एत्माद्दौला का निवासी है।

कानपुर में सपा विधायक बैरिकेडिंग हटाकर भागे

कानपुर। दिल्ली में छात्रों पर लाठीचार्ज के विरोध में गुरुवार को सपा विधायक अमिताभ बाजपेई फूलबाग में सत्याग्रह करने जा रहे थे। सुबह करीब 11 बजे पुलिस काकादेव के उनके घर पहुंच गई और बाहर बैरिकेडिंग कर दी। इसके बावजूद अमिताभ बाजपेई समर्थकों के साथ बाहर निकलने लगे। इस दौरान पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की, जिससे पुलिस और समर्थकों के बीच धक्का-मुक्की हो गई।

इसी बीच अमिताभ बाजपेई बैरिकेडिंग हटाकर दौड़ पड़े।

आगरा में फंदा लगाकर पुल से लटका युवक

आगरा। आगरा के बसई अरेला थाना क्षेत्र में अरनौटा पुल पर गुरुवार दोपहर करीब 1 बजे 24 वर्षीय युवक ने आत्महत्या का प्रयास किया। युवक ने पुल से रस्सी का फंदा लगाकर खुद को लटका लिया था। मौके से गुजर रहे राहगीरों ने सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत उसे ऊपर खींच लिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

भाजपा के बागी पार्षद पवन गुप्ता समेत 11 पर एफआईआर

चंदा न देने पर लोहे की रॉड से हमले का आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर । कानपुर में भाजपा के बागी पार्षद पवन गुप्ता समेत 11 लोगों पर बुधवार की रात 11 बजे नजीराबाद थाना में एफआईआर दर्ज हुई है। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने इन सभी के खिलाफ हत्या के प्रयास, डकैती और जातिसूचक टिप्पणी करने के मामले में रिपोर्ट दर्ज की है। पीड़ित दुकानदार का कहना है कि पुलिस से शिकायत के बावजूद कार्रवाई नहीं होने पर उन्होंने कोर्ट में अपील की थी।

अशोक नगर निवासी आकाश कुमार ने बताया कि वह नेहरू नगर में पान मसाला की गुमटी लगाते है। बीती 29 मार्च 2024 को वह गुमटी बंदकर घर जा रहे थे। आरोप है कि नेहरू नगर स्थित अंध विद्यालय के पास भाजपा के क्षेत्रीय पार्षद पवन गुप्ता ने अपने साथियों के साथ उन्हें रोक कर होली का चंदा मांगा।

उन्होंने आर्थिक स्थित ठीक नहीं होने पर चंदा देने पर असमर्थता जताई, जिस पर पार्षद ने जातिसूचक गालियां दी। विरोध करने पर पार्षद ने साथियों के साथ मिलकर लात, घूसों, लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से हमला कर दिया। आरोपियों ने बीच-बचाव करने पहुंचे उनके भाई वरुण को भी पीट दिया।

इस दौरान आरोपियों ने जेब में रखे 2275 रुपये छीने। पुलिस ने उनका और भाई का मेडिकल कराया। घटना के बाद नजीराबाद पुलिस और आलाधिकारियों से शिकायत के बावजूद कार्रवाई नहीं होने पर उन्होंने कोर्ट में प्रार्थना पत्र दाखिल किया।

गाजियाबाद में डबल मर्डर करने वाला बेटा बोला-पत्नी ताने देती थी, इसलिए मारा

'मां-बाप की हत्या का कोई पछतावा नहीं'

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद । गाजियाबाद में 20 जुलाई की रात मां-बाप की पीट-पीटकर हत्या करने वाले दोनों बेटे दीपक और ललित जेल की सलाखों के पीछे पहुंच गए हैं। क्रासिंग रिपब्लिक पुलिस ने बुधवार को दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि मां-बाप की हत्या पूरी प्लानिंग के तहत की गई थी। हत्या का प्लान शराब के नशे में एक दिन में नहीं बना, बल्कि छोटा बेटा ललित पिछले तीन साल से अपने मां-बाप से नफरत करता था। पुलिस पूछताछ में दोनों ने कहा- हत्या का कोई दुख या पछतावा नहीं है। पत्नी और ससुराल वाले ताने देते थे इसलिए मां-बाप को मारा। बेटों का कहना है कि छह महीने में जेल से बाहर आ जाएंगे।

भाई से कहता था- इन मां-बाप का क्या करेंगे

पुलिस ने बताया- मां-बाप की हत्या की पूरी योजना ललित ने बनाई थी। उसने अपने बड़े भाई दीपक को भी इसमें शामिल कर लिया। दोनों भाई अक्सर साथ बैठकर शराब पीते थे, जबकि मां-बाप उन्हें शराब छोड़ने की नसीहत देते थे। दोनों भाइयों में कभी आपसी झगड़ा नहीं होता था और दोनों एक-दूसरे की हर बात का समर्थन करते थे। पूछताछ में दोनों ने बताया- एक साल पहले कर्ज उतारने के लिए मां विमलेश के करीब पांच लाख रुपये के जेवर बेच दिए थे। उस दौरान भी पिता से मारपीट हुई थी। बचाव में आई मां से भी कहा था- हम यह घर छोड़कर चले जाएंगे, हमारा इस घर में कुछ नहीं है।

बच्चे की मौत के बाद मां-बाप से नफरत करने लगा ललित

क्रासिंग रिपब्लिक थाना क्षेत्र के भीमनगर में रहने वाले गंगासरण (55) अपनी पत्नी विमलेश के साथ पिछले 25 साल से रह रहे थे। वह मूल रूप से बुलंद-शहर के बीबीनगर थाना क्षेत्र के सठला गांव के निवासी थे। गंगासरण की बड़ी बेटी दीपिका की 17 साल पहले मनोज के साथ शादी हुई थी और वह अपनी ससुराल में रहती हैं। दूसरे नंबर पर बड़ा बेटा दीपक है। दीपक की शादी मई 2020 में बुलंदशहर निवासी मोनिका से हुई थी। उसके दो बेटे हैं। पत्नी फिलहाल विवाद के चलते अपने मायके बुलंदशहर में रह रही है।

यह तस्वीर मृतक गंगासरण और उनकी पत्नी विमलेश की है।

प्रेग्नेंट पत्नी को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया, बच्चे की मौत

पुलिस पूछताछ में ललित ने बताया- तीन साल पहले पत्नी की डिलीवरी होनी थी। अपनी मां विमलेश और पिता गंगासरण से कहा था कि पत्नी को प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराएं, लेकिन दोनों नहीं माने। उन्होंने पत्नी सोनी को गाजियाबाद जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां जन्म के बाद बच्चे की मौत हो गई।

नवजात बेटे की मौत के बाद पत्नी और ससुराल वाले ताने देने लगे। पत्नी कहती थी- तुम्हारे मां-बाप ने मुझे सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया, इसलिए बच्चे की मौत हो गई। यहीं से मेरे मन में मां-बाप के प्रति नफरत पैदा हो गई।

कानपुर में नजरबंद थे, अखिलेश बोले- भाजपा अकाउंट भरती है

घर से भागे सपा विधायक को पुलिस ने दौड़ाकर पकड़ा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के समर्थकों पर लाठीचार्ज के खिलाफ प्रदर्शन करने जा रहे सपा विधायक अमिताभ बाजपेई को कानपुर पुलिस ने हाउस अरेस्ट कर लिया। विधायक ने फूलबाग में समर्थकों के साथ सत्याग्रह करने का ऐलान किया था। बुधवार सुबह 11 बजे ही पुलिस उनके काकादेव स्थित घर में पहुंच गई। घर के बाहर बैरिकेडिंग कर दी। इस बीच, विधायक और समर्थक जबरन बैरिकेडिंग हटाकर फूलबाग जाने की कोशिश करने लगे। देखते ही देखते धक्का-मुक्की होने लगी।

मौका पाकर विधायक बैरिकेडिंग हटाकर दौड़ पड़े। हालांकि, पुलिस ने कुछ ही दूरी पर उन्हें रोक लिया और वापस घर ले आई। लखनऊ में केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर भीम आर्मी से जुड़े छात्रों ने प्रदर्शन किया। पुलिस ने सभी को उठाकर बसों में भरा और ईको गार्डन भेज दिया। इधर, सांसद चंद्रशेखर आजाद दिल्ली में 3 दिनों से धरने पर बैठे हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव, कांग्रेस नेता राहुल गांधी समेत अन्य विपक्षी सांसदों ने संसद के बाहर प्रदर्शन किया।

संसद भवन में इंडिया ब्लॉक के नेताओं ने बैठक की और NEET समेत अन्य मुद्दों पर चर्चा की।

> अखिलेश यादव ने कहा-हम उत्तर प्रदेश से हैं। हम यूपी सरकार का काम देख रहे हैं। यह किसकी जवाबदेही है? सरकार की जवाबदेही थी। ऐसा लगता है कि उनकी क्षमता अकाउंट भरने तक ही सीमित है। जवाबदेही क्या है? अकाउंट भरने की उनकी क्षमता ही उनकी जवाबदेही लगती है।

दिल्ली में छात्रों पर लाठीचार्ज के विरोध में गुरुवार को सपा विधायक अमिताभ बाजपेई फूलबाग में सत्याग्रह करने जा रहे थे। सुबह करीब 11 बजे पुलिस काकादेव उनके घर पहुंच गई। बाहर बैरिकेडिंग कर दी। इसके बावजूद अमिताभ बाजपेई समर्थकों के साथ बाहर निकलने लगे। इस दौरान पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की, जिससे पुलिस और समर्थकों के बीच धक्का-मुक्की हो गई।

कानपुर में शराब ठेकों पर नगर निगम का एक्शन

गंदगी और सिंगल यूज प्लास्टिक पर काटा चालान

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर नगर निगम ने जोन-3 क्षेत्र में गंदगी फैलाने और सिंगल यूज प्लास्टिक (एसयूपी) का इस्तेमाल करने वाले शराब ठेकों के खिलाफ गुरुवार को अभियान चलाकर कार्रवाई की। खाड़ेपुर स्थित वार्ड-21 में तीन शराब दुकानों- एक कैंटीन संचालक पर चालान और जुर्माना लगाया गया है।

कार्रवाई की शुरुआत जोन-3 की बैठक में वार्ड-21 के पार्षद धीरेंद्र कुमार की शिकायत के बाद हुई। पार्षद ने बताया था कि कर्रही बंबा रोड पर तीन शराब ठेकों का कूड़ा सीधे नाले में डाला जा रहा है, जिससे नाला जाम रहता है और आसपास गंदगी फैलती है। महापौर प्रमिला पांडेय ने शिकायत के बाद अधिकारियों को कार्रवाई करने का निर्देश दिया था। इसके नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची और कार्रवाई की।

इस अभियान के दौरान मुन्नालाल साहू की कम्पोजिट शराब दुकान पर गंदगी मिलने पर चालान किया गया। वहीं पाल चौराहे पर प्रशांत सिंह के नाम से संचालित देशी शराब की दुकान पर भी सफाई व्यवस्था खराब मिलने पर चालान की कार्रवाई की गई है। इसी परिसर में कैंटीन संचालक राजू को सिंगल यूज प्लास्टिक के डिस्पोजल गिलास का इस्तेमाल करते पाए जाने पर 5 हजार रुपये का शमन शुल्क वसूला गया और चालान काटा गया।

पृष्ठ 01 का शेष...

'फास्ट ट्रैक कोर्ट ...

इस मामले में 13 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। छात्रों का भविष्य सुरक्षित रहे, इसलिए दोबारा परीक्षा कराई गई और समय पर परिणाम भी घोषित किए गए।

पीएम ने कहा कि आगे ऐसी घटनाएं रोकने के लिए सख्त कदम उठाए गए हैं और दोषियों को देश के शीर्ष वकीलों की मदद से कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाएगी, ताकि भविष्य में कोई ऐसी हरकत करने की हिम्मत न करे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि NEET पेपर लीक कोई राजनीतिक या दलगत मुद्दा नहीं, बल्कि देश के युवाओं और उनके भविष्य से जुड़ा गंभीर विषय है। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने बुधवार को दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए राहुल के आरोपों का जवाब दिया। नड्डा ने कहा- राहुल बताएं जब कांग्रेस सरकारों में पेपर लीक होते हैं तब वे सवाल क्यों नहीं उठाते।

पेपर लीक केस के ...

आयोग ने देशभर में 1734 फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने के लिए स्पेशल फंड की अनुशंसा की थी।

फास्ट ट्रैक कोर्ट का रिकॉर्ड भी बेहतर रहा है। केंद्र सरकार के अनुसार, रेप और POCSO मामलों के लिए बनी फास्ट ट्रैक कोर्ट ने 2019 से 2025 तक 3.06 लाख से ज्यादा मामलों का निपटारा किया है। इन अदालतों में मामलों के निपटारे का रेट 96.28% है, यानी जितने नए मामले आए, लगभग उतने ही मामलों का निपटारा भी हुआ। हालांकि, नए मामले लगातार दर्ज होने के कारण 2025 के अंत तक 2.45 लाख से ज्यादा मामले पेंडिंग थे, जबकि 2024 के अंत में यह संख्या 2.04 लाख थी।

राहुल गांधी की ...

उन्होंने कहा कि यह यात्रा छात्रों के साथ एकजुटता और लोकतांत्रिक विरोध का प्रतीक है। विपक्षी दलों का कहना है कि यह यात्रा सिर्फ एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि उन लाखों छात्रों के समर्थन का संदेश है जो नीट पेपर लीक और परीक्षा प्रणाली में कथित गड़बड़ियों से प्रभावित हुए हैं। गांधी स्मृति पहुंचकर नेताओं ने छात्रों के संघर्ष के प्रति एकजुटता जताने, परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता की मांग उठाने और छात्र आंदोलन के दौरान जान गंवाने वाले युवाओं को श्रद्धांजलि देने का संदेश दिया। साथ ही पुलिस कार्रवाई में घायल छात्रों और आंदोलनरत युवाओं के मुद्दे को भी प्रमुखता से उठाया गया। इससे पहले लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस सांसदों ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर सात लोक कल्याण मार्ग स्थित पीएम आवास के बाहर ज़ोरदार धरना प्रदर्शन किया, जबकि दूसरी ओर जंतर-मंतर पर इसी मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी का विरोध प्रदर्शन भी जारी रहा; इस दौरान स्थिति को संभालते हुए दिल्ली पुलिस ने मंगलवार शाम को राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव समेत कई नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया, जिन्हें कुछ घंटे बाद छत्रसाल स्टेडियम से रिहा कर दिया गया।

'सोनम भाई कुछ खा ...

सलमान का यह अंदाज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है.

हालांकि सलमान की इस अपील को छात्र कम सरकार के पक्ष में किया ज्यादा माना जा रहा है. कहा जा रहा है कि एक दिन में ही सलमान के सुर बदल गए हैं. वो आंदोलन को खत्म करने की बात कह रहे हैं. सलमान खान ने इससे पहले छात्र आंदोलन को 'साहसी, शांतिपूर्ण और देश के बेहतर भविष्य के लिए जरूरी' बताया था. उन्होंने कहा था कि पेपर लीक बेहद गंभीर मामला है और उन्हें खुशी है कि देश के छात्र बेहतर शिक्षा व्यवस्था की मांग को लेकर एकजुट हुए हैं. सलमान ने छात्रों के माता-पिता की भी तारीफ की थी, जिन्होंने इस आंदोलन में अपने बच्चों का साथ दिया.

उन्होंने यह भी कहा था कि यह आंदोलन पूरी तरह छात्रों का है और इसे राजनीतिक रंग नहीं दिया जाना चाहिए. उनके मुताबिक, इस लड़ाई का श्रेय सिर्फ छात्रों को मिलना चाहिए और सरकार भी शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए जरूरी कदम उठाएगी.

लश्कर के 2...

भारतीय रिजर्व पुलिस और एसओजी (SOG) से जुड़े हेड कॉन्स्टेबल आशिक हुसैन कुरैशी अमरनाथ यात्रा ड्यूटी पर तैनात थे। जिस वक्त यह हमला हुआ, उस समय खराब मौसम के कारण अमरनाथ यात्रा अस्थायी रूप से रुकी हुई थी। दोपहर करीब 12:30 बजे आतंकियों ने आतंकियों ने उन्हें बहुत करीब से निशाना बनाया और उन पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। सुरक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई की, जिसके बाद दोनों तरफ से गोलियां चलीं। हमले के बाद आतंकी भाग गए। इस दौरान हेड कॉन्स्टेबल आशिक हुसैन कुरैशी जख्मी हो गए। उन्हें तुरंत सरकारी मेडिकल कॉलेज (GMC) अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शहीद जवान आशिक हुसैन के परिवार में पत्नी और तीन बच्चे हैं।

'आस्थावान बनने ...

उक्त विकास कार्यों में टीपीनगर-पैड-लेगंज मार्ग पर 2.6 किमी लंबे सिक्सलेन फ्लाईओवर सहित 813.52 करोड़ रुपये की 4 परियोजनाओं का लोकार्पण और 181.77 करोड़ रुपये की 10 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास शामिल है।

सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस-सपा ने अपनी सरकारों में न केवल आस्था से खिलवाड़ किया, बल्कि युवाओं को नौकरी और रोजगार से वंचित किया, अन्नदाता किसानों का हक छीना। बहन-बेटियों व व्यापारियों की सुरक्षा पर संकट खड़ा किया। 2017 के पहले यूपी में आए दिन दंगे होते थे, अराजकता चरम पर थी। होली, दुर्गापूजा, विजयदशमी, रामनवमी, कृष्ण जन्माष्टमी जैसे पर्वों पर दंगे होते थे, कांवड़ यात्रा नहीं निकलने दी जाती थी। अब इन्हीं दलों के लोग आस्था पर बड़े-बड़े हास्यास्पद उपदेश दे रहे हैं।

'कनॉट प्लेस में...

एडवाइजरी में कनॉट प्लेस के आसपास की मौजूदा स्थिति को देखते हुए सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से निर्देशों का सख्ती से पालन करने की अपील की गई है. NDTA ने अपने सर्कुलर में कहा कि सभी दुकान मालिकों, कार्यालय प्रतिष्ठानों और रेस्टोरेंट संचालकों से अनुरोध है कि वे सहयोग करें और गुरुवार को शाम 6.30 बजे तक अपने प्रतिष्ठान बंद कर दें. व्यापारियों से कहा गया है कि किसी भी अप्रिय घटना से बचने और संपत्ति के नुकसान या किसी व्यक्ति के घायल होने की आशंका को रोकने के लिए इन निर्देशों का पालन किया जाए.

NDTA के अध्यक्ष अतुल भार्गव की ओर से जारी इस सर्कुलर में सभी प्रतिष्ठान मालिकों और संचालकों से सहयोग करने और निर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने को कहा गया है. एडवाइजरी में कहा गया है कि इसका उद्देश्य किसी भी अप्रिय स्थिति से बचना और लोगों को संपत्ति के नुकसान या चोट से सुरक्षित रखना है.

एनएसए की शक्ति...

दिल्ली के उपराज्यपाल ने दिल्ली पुलिस को NSA के तहत निवारक हिरासत की शक्ति 18 अक्टूबर तक बढ़ा दी है. हालांकि, दिल्ली पुलिस ने स्पष्ट किया है कि यह फैसला CJP के नेतृत्व में चल रहे विरोध प्रदर्शन को दबाने के लिए नहीं लिया गया है. पुलिस ने इसे नियमित प्रशासनिक प्रक्रिया बताया है. पुलिस के मुताबिक, कुछ मीडिया रिपोर्टों में इस आदेश को मौजूदा विरोध प्रदर्शन से जोड़कर संदर्भ से बाहर पेश किया गया है.

संभल हिंसा : मोहम्मद ...

इसी आधार पर उसके खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम लगाने का फैसला लिया गया. इससे पहले इसी मामले में मुल्ला अफरोज और मोहम्मद गुलाम पर भी रासुका लगाया जा चुका है. यानी अब तक संभल हिंसा मामले में तीन प्रमुख आरोपियों के खिलाफ एनएसए के तहत कार्रवाई हो चुकी है.

मिल्खा के करिश्मे ने भारत को दिलाया पहला गोल्ड, साइना की जीत से पहली बार नंबर-2 बना

गुलाम देशों के लिए शुरू हुआ था कॉमनवेल्थ गेम्स

प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी

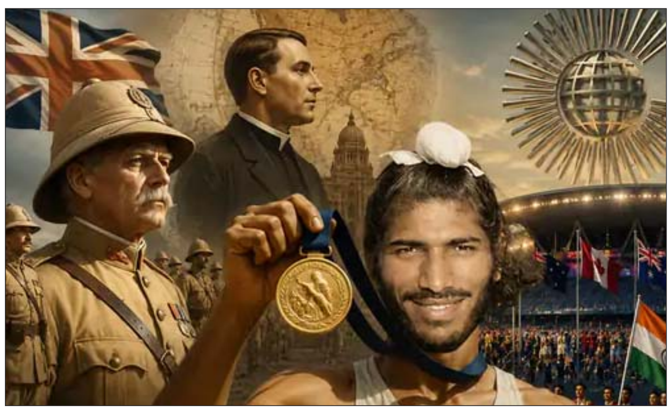

14 अक्टूबर 2010, दिल्ली का जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम 'भारत...भारत...' के नारों से गूंज रहा था। बैडमिंटन कोर्ट पर साइना नेहवाल थीं। सामने सिर्फ एक फाइनल नहीं था, बल्कि पदक तालिका में भारत का भविष्य भी था।

अगर साइना र जातीं, तो मेजबान भारत तीसरे स्थान पर खिसक जाता, लेकिन उन्होंने जीत दर्ज की। भारत का 38वां स्वर्ण पदक आया। कुल पदक 101 हुए और पहली बार कॉमनवेल्थ गेम्स की पदक तालिका में ऑस्ट्रेलिया के बाद भारत दूसरे स्थान पर पहुंच गया। आज भी यह भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। भारत की यह कहानी 2010 में शुरू नहीं हुई थी, इसकी शुरुआत 76 साल पहले हुई थी, जब 1934 में सिर्फ 6 भारतीय खिलाड़ी पहली बार कॉमनवेल्थ गेम्स में उतरे थे। उस वक्त भारत पर अंग्रेजों का शासन था, लेकिन पहलवान राशिद अनवर ने कांस्य पदक जीतकर भारत का नाम इतिहास में दर्ज करा दिया। 1911 में ब्रिटेन के राजा जॉर्ज पंचम का राज्याभिषेक हुआ। इसी मौके पर लंदन में फेस्टिवल ऑफ एम्पायर आयोजित किया गया। ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों के खिलाड़ी पहली बार एक ही आयोजन में उतरे। यह आधिकारिक कॉमनवेल्थ गेम्स नहीं थे, लेकिन इतिहासकार इसे कॉमनवेल्थ गेम्स की पहली झलक मानते हैं। यहीं लोगों को एहसास हुआ कि ऐसा आयोजन सफल हो सकता है।

साइना नेहवाल ने 2010 कॉमनवेल्थ गेम्स में महिला एकल का स्वर्ण जीतकर भारत को पदक तालिका में ऐतिहासिक दूसरा स्थान दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

1928 के एम्स्टर्डम ओलिंपिक के दौरान ब्रिटिश साम्राज्य के खेल प्रशासक मिले। यहीं फैसला हुआ कि ओलिंपिक से अलग, हर चार साल में ब्रिटिश साम्राज्य के देशों के लिए अपना एक खेल आयोजन होगा। यही वह फैसला था जिसने कॉमनवेल्थ गेम्स को जन्म दिया।

न सरकार, न राजा एक पादरी का आइडिया

कॉमनवेल्थ की कहानी शुरू होती है 1891 में। ब्रिटिश साम्राज्य अपने चरम पर था। दुनिया की करीब एक-चौथाई आबादी और विशाल भूभाग पर ब्रिटेन का शासन था। तब एक ब्रिटिश पादरी जॉन एस्टली कूपर ने एक ऐसा सपना देखा, जिसने बाद में दुनिया के सबसे बड़े खेल आयोजनों में से एक को जन्म दिया।

उन्होंने कहा कि साम्राज्य की ताकत सिर्फ सेना से नहीं, बल्कि लोगों के रिश्तों से भी बढ़ती है। अगर ब्रिटिश साम्राज्य के अलग-अलग देशों के खिलाड़ी एक मैदान पर उतरेंगे तो आपसी भरोसा और भाईचारा मजबूत होगा।

उन्होंने इसका नाम दिया- 'पैन-ब्रिटेनिक फेस्टिवल', लेकिन विचार देना आसान था, उसे सच करना मुश्किल। करीब 20 साल तक यह सपना कागजों में ही पड़ा रहा।

16 अगस्त 1930... कनाडा के छोटे से शहर हैमिल्टन में पहले ब्रिटिश एम्पायर गेम्स शुरू होने वाले थे। लेकिन एक बड़ी समस्या सामने थी। उस समय हवाई यात्रा आम नहीं थी। ज्यादातर खिलाड़ी समुद्री जहाजों से कनाडा पहुंचते थे। कई देशों ने साफ कह दिया कि उनके पास यात्रा का खर्च नहीं है।

कनाडा में भारतीय छात्रों का वर्क परमिट रिजेक्ट

कॉलेज बोला- हम इमिग्रेशन का फैसला नहीं बदल सकते

टोरंटो, एजेंसी

कनाडा के कैलगरी में स्थित पोर्टेज कॉलेज ने उन भारतीय छात्रों से कानूनी सलाह लेने को कहा है जो इमिग्रेशन, रिफ्यूजीजी एंड सिटिजनशिप कनाडा (IRCC) द्वारा अपना वर्क वीजा रिजेक्ट किए जाने के बाद विरोध कर रहे हैं। कॉलेज का कहना है कि वह इस मामले पर स्पष्टीकरण पाने की कोशिश कर रहा है।

21 जुलाई को वेबसाइट पर शेयर की गई एक अपडेट में कॉलेज ने कहा, ₹पोर्टेज कॉलेज इस मामले पर स्पष्टीकरण पाने की कोशिश कर रहा है और सही जानकारी देने और नई जानकारी मिलने पर छात्रों को सूचित रखने के लिए प्रतिबद्ध है।₹

कॉलेज ने आगे बताया कि उसने अगले हफ्ते ग्रुप के प्रतिनिधियों के साथ एक फॉलो-अप मीटिंग तय की है। कॉलेज ने कहा,₹इस मीटिंग से हमें बातचीत जारी रखने, जहां संभव हो सवालों के जवाब देने और कोई भी नई जानकारी मिलने पर उसे शेयर करने का मौका मिलेगा।

हजारों भारतीय छात्रों ने पोर्टेज कॉलेज के बिजनेस मैनेजमेंट डिप्लोमा प्रोग्राम में हिस्सा लिया था। अपना प्रोग्राम पूरा करने के बाद छात्रों ने पोस्ट-ग्रेजुएट वर्क परमिट (PGWP) के लिए अप्लाई किया लेकिन IRCC ने उनके एप्लीकेशन यह कहते हुए रिजेक्ट कर दिए कि उनके प्रोग्राम इसके लिए योग्य नहीं थे। विरोध कर रहे छात्रों का तर्क है कि उसी कॉलेज और उन्हीं प्रोग्राम के दूसरे छात्रों को 7 जुलाई से पहले PGWP मंजूरी मिल चुकी है।

कोविड में पीपीई किट के पैसों से उड़ाई मौज, खरीदी पोर्श रोलेक्स

ब्रिटेन में भारतीय मूल के पति-पत्नी दोषी करार

लंदन, एजेंसी

UK में भारतीय मूल के एक कपल ने COVID महामारी के दौरान पर्सनल प्रोटेक्टिक इक्विपमेंट (PPE) देने के झूठे दावों का इस्तेमाल करके गैर-कानूनी तरीके से फंड लॉन्ड्रिंग करने का दोषी पाया गया है। जोगेश भंडारी (59) और मीनाक्षी भंडारी (58) को धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग मामलों में दोषी ठहराया गया है।

उनके सहयोगी 43 साल के क्रेग मॉरिस को भी 2020 और 2021 के कपल की कंपनी की ओर से कई धोखाधड़ी वाले सौदों में शामिल होने का दोषी पाया गया है। तीनों को 21 अगस्त को सजा सुनाई जाएगी।

UK की नेशनल क्राइम एजेंसी NCA के ऑपरेशन्स मैनेजर पॉल बोनिफेस ने कहा, COVID-19 महामारी दुनिया के लिए अनिश्चितता का समय था, और PPE इक्विपमेंट की जरूरत अचानक बढ़ गई थी। इससे भंडारी और मॉरिस जैसे धोखेबाजों को बिजनेस को टारगेट करने और अपनी जेबें भरने का मौका मिला। NCA के मुताबिक, भंडारी 2020 में महामारी के दौरान नाइट्राइल ग्लव्स खरीदने और बेचने के लिए बनाई गई एक कंपनी का मालिक था। उसने संभावित सप्लायर्स को 125 मिलियन डॉलर तक के नकली बैंक स्टेटमेंट और अटेस्टेशन लेटर दिए ताकि बिज़नेस को उसके साथ ट्रेड करने के लिए मनाया जा सके। एजेंसी ने बताया कि भंडारी की पहली धोखाधड़ी नवंबर 2020 में शुरू हुई, जब वह 12 मिलियन बॉक्स ग्लव्स देने की डील पर सहमत हुआ। कंपनी ने एस्क्रो अकाउंट में पेमेंट किया, लेकिन पैसे डील पूरी होने तक न रखकर तुरंत भंडारी और अन्य कंपनियों को ट्रांसफर कर दिए गए।

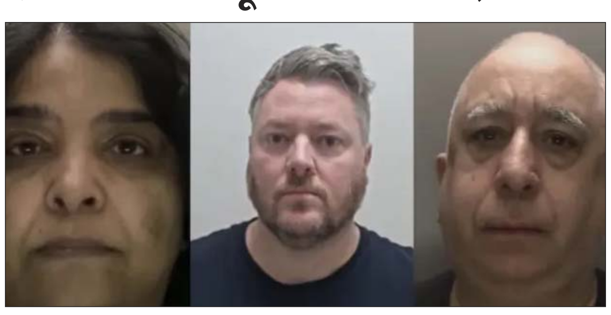

ललित मोदी 16 साल बाद भारत लौटेंगे

ईडी का जुर्माना रद्द, आईपीएल का पैसा विदेश भेजने का केस, बोले- मैं लीग की भलाई चाहता था

नई दिल्ली, एजेंसी

IPL के संस्थापक ललित मोदी 16 साल बाद भारत लौटने की तैयारी में हैं। एक अपीलीय ट्रिब्यूनल ने 16 जुलाई को IPL 2009 के दक्षिण अफ्रीका आयोजन से जुड़े FEMA मामले में फैसला सुनाया था। इसमें

मोदी को राहत देते हुए ED के लगाए गए जुर्माने को रद्द कर दिया था। फैसले के बाद ललित मोदी ने कहा कि अब उनकी भारत वापसी का रास्ता साफ हो गया है और वह इस साल के आखिर या अगले साल की शुरुआत में भारत लौट सकते हैं। उन्होंने बताया कि उनकी बेटी अक्टूबर में बच्चे को जन्म देने वाली है, जिसके बाद वह भारत आने की योजना बना रहे हैं।

ललित मोदी ने कहा,ट्रिब्यूनल ने यह भी माना कि वह BCCI की ओर से FEMA के तहत कानूनी अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार नहीं थे और न ही उनके पास वह वित्तीय अधिकार थे, जिनका ED ने दावा किया था। इससे 2009 के दक्षिण अफ्रीका IPL से जुड़े सबसे बड़े कानूनी मामले का अंत हो गया। ED ने 2018 में ललित मोदी पर 10.65 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया था। इसके बाद उन्होंने इस आदेश के खिलाफ अलग-अलग अपील दायर की थीं। अब 16 जुलाई के फैसले में ट्रिब्यूनल ने उन आदेशों में बड़ा बदलाव करते हुए ललित मोदी समेत कई पक्षों को राहत दे दी।

ललित मोदी IPL के संस्थापक, पहले चेयरमैन और पहले कमिश्नर रहे हैं।

भारत से दक्षिण अफ्रीका पैसे भेजने का मामला था

यह मामला 2009 में IPL को भारत से दक्षिण अफ्रीका ले जाने से जुड़ा है। उस समय लोकसभा चुनाव के कारण सुरक्षा कारणों से टूर्नामेंट भारत से दक्षिण अफ्रीका शिफ्ट किया गया था। इसके आयोजन के लिए BCCI ने दक्षिण अफ्रीका में करीब 243.45 करोड़ रुपए भेजे थे।

बाद में प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने आरोप लगाया कि यह रकम भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) की पूर्व मंजूरी के बिना विदेश भेजी गई, जिससे विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (FEMA) का उल्लंघन हुआ। ED ने 2011 में नोटिस जारी किया और 2018 में ललित मोदी समेत BCCI के कुछ पूर्व अधिकारियों पर जुर्माना लगाया था।

लोकसभा चुनाव के चलते IPL 2009 का आयोजन दक्षिण अफ्रीका में हुआ था। टाइटल डेक्कन चार्जर्स ने जीता था।

ट्रिब्यूनल बोली- ललित व्यक्तिगत तौर पर जिम्मेदार नहीं

ललित मोदी ने कहा कि ट्रिब्यूनल ने ED की सबसे अहम दलील ही खारिज कर दी, जिससे पूरे मामले का आधार बदल गया। उनके मुताबिक अपीलीय ट्रिब्यूनल ने अपने फैसले में कहा कि दक्षिण अफ्रीका भेजी गई रकम 'करंट अकाउंट ट्रांजैक्शन' थी, न कि 'कैपिटल अकाउंट ट्रांजैक्शन'। इसलिए इसके लिए RBI की पहले से मंजूरी लेना जरूरी नहीं था।

मनोरंजन

राजकुमार राव 'मोदी है तो मुमकिन है' गाने पर घिरे

बोले- आप प्रेशर नहीं समझ सकते, मेरी आत्मा बिकाऊ नहीं, फिर कमेंट डिलीट किया

नई दिल्ली, एजेंसी

एक्टर राजकुमार राव साल 2025 में आए राजनीतिक प्रमोशनल गाने 'मोदी है तो मुमकिन है' को लेकर विवादों में आ गए हैं। दिल्ली में NEET पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों के समर्थन में राजकुमार ने एक सोशल मीडिया पोस्ट लिखी थी। इसके बाद यूजर्स ने उन्हें पुराने गाने की याद दिलाते हुए ट्रोल करना शुरू कर दिया। एक यूजर के कमेंट का जवाब देते हुए राजकुमार ने लिखा कि वे उनके दबाव के बारे में सोच भी नहीं सकते। हालांकि, बाद में उन्होंने अपना यह कमेंट डिलीट कर दिया। अब इस कमेंट के स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

राजकुमार राव ने NEET पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन के समर्थन में देरी से पोस्ट की। इस पोस्ट के बाद लोगों ने उन्हें देर से बोलने और राजनीतिक गाने 'मोदी है तो मुमकिन है' में काम करने के लिए ट्रोल करना शुरू कर दिया।

सलमान खान ने प्रोटेस्ट पर कहा- राजनीतिक रंग न दें, ये शिक्षा का मुद्दा, आलिया बोलीं- वे अपने लिए नहीं लड़ रहे

'आंदोलन का हिंसक होना बेहद दुखद'

नई दिल्ली, एजेंसी

लंबी चुप्पी के बाद फिल्म इंडस्ट्री से जंतर-मंतर में छात्रों के साथ हुई हिंसा के खिलाफ आवाज उठाने वाले सलमान खान पहले सुपरस्टार बन चुके हैं। उन्होंने न सिर्फ छात्रों के साथ हुई हिंसा की कड़ी निंदा की, बल्कि उनके विरोध प्रदर्शन को सही करार दिया। उन्होंने उम्मीद जताई है कि सरकार जल्द ही उनका साथ देगी और शिक्षा व्यवस्था में बेहतरी होगी। साथ ही एक्टर ने कहा कि ये सिर्फ छात्रों और शिक्षा का मुद्दा है इसे राजनीतिक रंग देने की कोशिश नहीं करना चाहिए।

सलमान खान ने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से अपने स्कूल के दिनों की एक तस्वीर शेयर कर लिखा-यह एक बेहद शांतिपूर्ण आंदोलन था। यह देखकर बहुत दुख होता है कि इसे हिंसक मोड़ लेना पड़ा। इस आंदोलन में घायल हुए छात्रों और उनके परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं।पेपर लीक एक बहुत गंभीर मुद्दा है। यह देखकर खुशी होती है कि हमारे देश के छात्र बेहतर शिक्षा व्यवस्था की मांग के लिए एकजुट होकर सामने आए हैं और उनके माता-पिता ने भी उनका साथ दिया है।

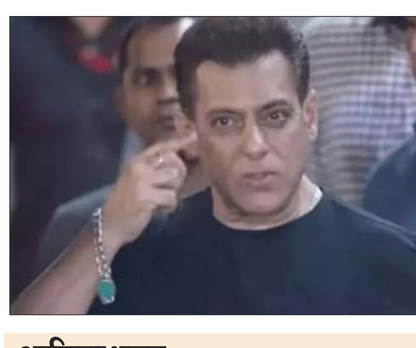

इच्छा है कि शिक्षा ही अगला ट्रेंड बने- सलमान खान

अपनी लंबी-चौड़ी पोस्ट के आखिर में सलमान ने लिखा है, 'मेरी इच्छा है कि शिक्षा ही अगला ट्रेंड और फैशन बने। हर साल पढ़ाई को लेकर लोगों का उत्साह और बढ़े। इतना कि बाहर से लोग भारत में पढ़ने आएं और भारत ही एजुकेशन हब बने।

आलिया भट्ट ने लिखा- वे सिर्फ अपने लिए नहीं लड़ रहे

सलमान खान के बाद अब आलिया भट्ट ने भी स्टूडेंट प्रोटेस्ट पर पोस्ट शेयर की है। उन्होंने भावुक अंदाज में लिखा है-पिछले कुछ दिनों ने मेरा दिल बार-बार तोड़ा भी है और फिर उम्मीद के सहारे उसे जोड़ भी दिया है। हर उस स्टूडेंट के पीछे, जो अपने हक के लिए डटकर खड़ा है, एक सपना है, एक परिवार की उम्मीद है और अनगिनत त्यागों से भरा एक सफर है। वे सिर्फ अपने लिए नहीं लड़ रहे, बल्कि उन सभी लोगों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं जिन्होंने उन पर भरोसा किया है। साथ ही वे आने वाली पीढ़ियों के लिए एक बेहतर रास्ता भी तैयार कर रहे हैं।

हिट फिल्म के बाद भी 15 महीने बेरोजगार रहीं कृति

स्टारकिड्स ने छीने बड़े रोल, जिस किरदार पर सवाल उठे, उसी ने दिलाया नेशनल अवॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी

पहले रैंप शो के बाद मैं ऑटो में बैठकर पूरे रास्ते रोती रही थी... पहले फोटोशूट के बाद भी घर जाकर रोई थी। हिट फिल्म के बाद भी 15 महीने काम नहीं मिला। कई बार ऐसा हुआ कि जिस फिल्म के लिए ऑडिशन दिया, आखिर में वह किसी स्टार किड को मिल गई। कई-कई महीने तक कोई ऑडिशन नहीं आता था। मैं मां को दिन में दस-दस बार फोन करके रोती थी।

आज कृति सेनन बॉलीवुड की सफल अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। उनके नाम नेशनल अवॉर्ड, कई सुपरहिट फिल्में और अपना प्रोडक्शन हाउस है। लेकिन इस मुकाम तक पहुंचने का रास्ता रिजेक्शन, अकेलेपन, तानों और आत्मविश्वास की लड़ाई से होकर गुजरा है। यह कहानी उस लड़की की है, जिसने कभी एक्टिंग का सपना नहीं देखा था, लेकिन रास्ता चुना तो पीछे मुड़कर नहीं देखा।

बरेली की बर्फी के बाद कृति सेनन ने 15 महीने तक कोई फिल्म शूट नहीं किया।

कृति के पास प्रोफेशनल पोर्टफोलियो नहीं था। उनकी छोटी बहन नूपुर ने घर पर ही कुछ तस्वीरें खींचीं।

आज उन तस्वीरों को देखकर कृति खुद हंस पड़ती हैं। वह कहती हैं, आज भी जब वो तस्वीरें देखती हूं तो हंसी आती है कि कितनी अजीब थीं।उन्होंने वही तस्वीरें एक वेबसाइट पर चल रहे फ्रेश फेस कॉन्टेस्ट में भेज दीं। इनाम था- मशहूर फोटोग्राफर डब्बू रत्नानी से मुफ्त पोर्टफोलियो शूट। कृति को सिर्फ इतना पता था कि डब्बू रत्नानी से फोटोशूट महंगा होता है। फैशन और मॉडलिंग की दुनिया के बारे में उन्हें कुछ भी नहीं मालूम था।

किस्मत ने साथ दिया...वह कॉन्टेस्ट जीत गईं। यहीं से मॉडलिंग का पहला कॉन्ट्रैक्ट मिला और फिल्मों तक जाने वाली राह खुली।

दिल्ली की इंजीनियरिंग स्टूडेंट, जिसने सपनों के दम पर बॉलीवुड तक का सफर तय किया

कृति सेनन का जन्म 27 जुलाई 1990 को नई दिल्ली में हुआ। उनके पिता राहुल सेनन चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं, जबकि मां गीता सेनन दिल्ली विश्वविद्यालय में एसोसिएट प्रोफेसर रह चुकी हैं। उनकी छोटी बहन नूपुर सेनन भी अभिनय और सिंगिंग की दुनिया में सक्रिय हैं। कृति ने शुरुआती पढ़ाई दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस), आर.के. पुरम से की। इसके बाद जेपी इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, नोएडा से इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में बी.टेक की डिग्री हासिल की।

बी.टेक के दौरान एक सलाह ने बदल दी जिंदगी

इंजीनियरिंग के दौरान एक दिन किसी ने कृति से कहा, ₹तुम्हारी हाइट अच्छी है, मॉडलिंग क्यों नहीं ट्राय करती?पहली प्रतिक्रिया थी- नहीं... ये मेरे बस की बात नहीं। लेकिन फिर उन्होंने सोचा कि कोशिश करने में नुकसान नहीं है। अगर कुछ नहीं हुआ, तो कम से कम कॉन्फिडेंस बढ़ जाएगा।

> **कृति सेनन ने बॉलीवुड बबल को दिए इंटरव्यू में बताया था कि बचपन में उनका पूरा ध्यान पढ़ाई पर रहता था। वह पढ़ाई में अच्छी थीं, लेकिन बेहद शर्मीली भी थीं। वह कहती हैं,"मुझे स्टेज पर जाने से भी डर लगता था। डांस करना पसंद था, लेकिन एक्टिंग, थिएटर या ड्रामा में मैंने कभी हिस्सा नहीं लिया। फिल्मों में आने का तो मैंने कभी सोचा ही नहीं था।"**
>
> **स्कूल के बाद इंजीनियरिंग की पढ़ाई शुरू हुई। जिंदगी तय रास्ते पर चल रही थी। किसी को अंदाजा नहीं था कि यही लड़की आगे चलकर बॉलीवुड की बड़ी स्टार बनेगी।**

ईरान का मिडिल-ईस्ट में अमेरिकी बेस पर हमला

भगदड़

दावा- जॉर्डन में थाड डिफेंस सिस्टम तबाह, कुवैत में ड्रोन ठिकाने को निशाना बनाया

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी

ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने मिडिल-ईस्ट में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जवाबी हमले किए हैं। सेना ने जॉर्डन और कुवैत में US बेस पर ड्रोन और मिसाइल दागी हैं।

IRGC ने दावा किया कि जॉर्डन में तैनात अमेरिकी THAAD (टर्मिनल हाई एल्टीट्यूड एरिया डिफेंस) एयर डिफेंस सिस्टम को तबाह कर दिया गया है। इसके अलावा कुवैत में अमेरिकी MQ-9 रीपर ड्रोन के ऑपरेशन बेस पर भी हमला किया गया। ईरान का कहना है कि ये कार्रवाई हाल के अमेरिकी हमलों के जवाब में की गई है।

ट्रम्प की ईरान में बमबारी की धमकीः ट्रम्प ने कहा कि अगर ईरान होर्मुज स्ट्रेट में किसी जहाज पर हमला करता है, तो अमेरिका जवाब में ईरान के पुलों और बिजली घरों

पर बमबारी करेगा। इनमें तेहरान के अंदर मौजूद ठिकाने भी शामिल होंगे।

हूती विद्रोहियों की धमकी- सऊदी पोर्ट से दूर रहें जहाजः यमन के ईरान से जुड़े हूती विद्रोहियों ने शिपिंग कंपनियों को सऊदी अरब के बंदरगाहों से दूर रहने की धमकी दी है। उन्होंने कहा अगर नहीं माना तो हमला होगा।

ईरान समझौते के लिए गिड़गिड़ा रहा है

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि ईरान समझौता करने के लिए गिड़गिड़ा रहा है। फिलीपींस की राजधानी मनीला में आसियान सम्मेलन के दौरान रुबियो ने आगे कहा कि ईरान जब भी कोई समझौता करता है, तो या तो उसे तोड़ देता है या फिर उसकी शर्तें बदल देता है।

इससे पहले अमेरिका ने बुधवार रात ईरान में इराक बॉर्डर पर स्थित शलमचेह बॉर्डर क्रॉसिंग पर हवाई हमला किया। खुजेस्तान प्रांत के डिप्टी गवर्नर ने बताया कि इस हमले में दो लोगों की मौत हुई है।

अमेरिकी हमले नहीं रुके तो नई रणनीति अपनाएंगे

ब्रिगेडियर जनरल अकरामिनिया ने कहा है कि अगर अमेरिका ईरान के दक्षिणी इलाकों के बुनियादी ढांचे और तटीय क्षेत्रों पर हमले जारी रखता है तो ईरान नई सैन्य रणनीतियां और नए ऑपरेशनल प्लान लागू करेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका ने दोनों पक्षों के बीच हुए समझौते (MoU) का उल्लंघन किया है।

अकरामिनिया ने यह भी कहा कि ईरानी सशस्त्र बल अमेरिकी आक्रामक कार्रवाई के जवाब में हमले कर रहे हैं। उनके मुताबिक, ₹जब तक अमेरिका हमारे देश के बुनियादी ढांचे और तटीय क्षेत्रों पर हमले करता रहेगा, हमारी जवाबी कार्रवाई भी जारी रहेगी।

इराकी पीएम आधिकारिक दौरे पर ईरान रवाना

इराक के प्रधानमंत्री अली फालेह अल-ज़ैदी आधिकारिक दौरे पर बगदाद से ईरान की राजधानी तेहरान के लिए रवाना हो गए हैं। इस दौरे में दोनों देशों के बीच ऊर्जा सहयोग और क्षेत्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है।

इराकी सरकार के प्रवक्ता हैदर अल-अबूदी ने बताया कि तेहरान में होने वाली बैठक के एजेंडे में प्राकृतिक गैस सहयोग और क्षेत्रीय घटनाक्रम प्रमुख विषय होंगे। ईरान ने संभावित जमीनी हमले को लेकर कड़ी चेतावनी दी है। ईरानी सेना के ब्रिगेडियर जनरल अकरामिनिया ने कहा कि यदि दुश्मन ने जमीनी रास्ते से हमला किया तो उसे भारी नुकसान और ज्यादा सैनिक हताहत झेलने पड़ेंगे।

भारतीय मूल की अमेरिकी सैनिक के मारे जाने की आशंका

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी रक्षा विभाग (पेंटागन) के अनुसार, जॉर्डन में एक बेस पर ईरानी हमले में भारतीय मूल की अमेरिकी सैनिक एंजेला रामप्रसाद के मारे जाने की आशंका है। रक्षा विभाग ने कहा कि 25 वर्षीय आर्मी सार्जेंट के बारे में माना जाता है कि 17 जुलाई, 2026 को जॉर्डन के मुवाफक साल्टी एयर बेस पर दुश्मन के हमले के दौरान उनकी मौत हो गई। साथ ही विभाग ने कहा कि घटना की जांच चल रही है।

बयान में कहा गया है कि पहले उन्हें लापता बताया गया था और बाद में उनकी स्थिति को ड्यूटी स्टेटस - ठिकाना अज्ञात और मृत माने जाने में बदल दिया गया।

रामप्रसाद गुयाना से आए भारतीय समुदाय से थीं, और उनके पिता की पहचान स्थानीय डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता बासदेव रामप्रसाद के रूप में हुई है। पेंटागन ने कहा कि वह न्यूयॉर्क शहर के क्वींस बरो के ओजोन पार्क इलाके की रहने वाली थीं, जहां भारतीय मूल के गुयानावासियों का एक बड़ा समुदाय रहता है।जर्मनी के एन्सबाख में 10वीं आर्मी एयर एंड मिसाइल डिफेंस कमांड में तैनात रामप्रसाद जॉर्डन में ड्यूटी पर थीं, जब ईरान ने मुवाफक साल्टी एयर बेस पर ड्रोन से हमला किया। डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता पेसाच ओसिना ने उन्हें लोगों के लिए सचमुच एक तोहफा बताया। उन्होंने कहा कि वह सेवा करना, दूसरों की रक्षा करना और साहस और विनम्रता के साथ अपना कर्तव्य निभाना चाहती थीं।

ओसिना ने X पर कहा कि इस त्रासदी के बाद से वह सार्जेंट के पिता बासदेव रामप्रसाद और उनकी मां कैरोल एसेवेडो सहित उनके परिवार के करीब हैं।

फास्ट न्यूज

सोना 274 बढ़कर 1.46 लाख पर पहुंचा

नई दिल्ली। सोने-चांदी की कीमतों में आज यानी 23 जुलाई को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, एक किलो चांदी 360 रुपए बढ़कर 2.26 लाख रुपए पर पहुंच गई है। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 274 रुपए चढ़कर 1.46 लाख रुपए पर पहुंच गया है। 4 दिन में सोना 4,398 रुपए और 10,346 रुपए चांदी महंगी हो चुकी है।

अमेरिका में चीनी ऑटो कंपनियों के खिलाफ वाले विधेयक को मंजूरी

वाशिंगटन। अमेरिकी सीनेट की वाणिज्य समिति ने चीनी ऑटोमोबाइल निर्माताओं पर शिकंजा कसने वाले विधेयक को मंजूरी दे दी है। इस नए और कड़े विधेयक के दायरे में आने से जर्मन लग्जरी कार निर्माता कंपनी मर्सिडीज-बेंज के अमेरिकी बाजार में वाहनों की बिक्री पर बड़ा संकट मंडराने लगा है, क्योंकि कंपनी में करीब 20% चीनी निवेश है। इस बिल को सीनेटर बर्नी मोरेनो और एलिसा स्लोटकिन द्वारा संयुक्त रूप से आगे बढ़ाया गया है, जिसका मुख्य उद्देश्य अमेरिकी ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री के बुनियादी ढांचे को बचाना और चीनी कंपनियों को अमेरिकी बाजार से पूरी तरह दूर रखना है।

आईटीआर फाइलिंग के लिए 10 दिन से कम का टाइम बचा

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए के लिए इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने के लिए 10 दिन से भी कम का टाइम बचा है। 22 जुलाई तक 3 करोड़ से ज्यादा लोग ITR फाइल कर चुके हैं। आम टैक्सपेयर्स के लिए रिटर्न फाइल करने की आखिरी तारीख 31 जुलाई 2026 है। कई लोगों का मानना है कि अगर उनकी सालाना इनकम ढाई लाख से कम है और वो टैक्स के दायरे में नहीं आते हैं तो उन्हें ITR भरने की जरूरत नहीं है ।

देहरादून में नकली दवा फैक्ट्री का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

एफएसडीए उत्तर प्रदेश की बड़ी अंतरराज्यीय कार्रवाई

नई दिल्ली, एजेंसी

जनस्वास्थ्य एवं मानव जीवन से खिलवाड़ करने वाले नकली दवा फर्म/विक्रेताओं के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (FSDA), उत्तर प्रदेश, मुख्यालय से गठित, जिसमें आशुतोष मिश्रा (औषधि निरीक्षक आगरा), गौरव लोधी (औषधि निरीक्षक मेरठ मण्डल/अतिरिक्त प्रभार मुख्यालय) व नीलेश शर्मा (औषधि निरीक्षक आगरा) की विशेष टीम ने क्राइम ब्रांच गाजियाबाद के सहयोग तथा उत्तराखंड FSDA अधिकारियों के साथ मिलकर एक अंतरराज्यीय संगठित गिरोह का पता लगा कर देहरादून (उत्तराखंड) में अवैध रूप से संचालित नकली दवा बनाने वाली फैक्ट्री को पकड़ा है।

19.07.2026 को थाना अमीनाबाद, जनपद लखनऊ में नकली औषधियों के भंडारण व क्रय-विक्रय किए जाने पर 8 अभियुक्तों के विरुद्ध पंजीकृत मु०अ०सं० 0056 के अंतर्गत जप्त 43 प्रकार की नकली दवाओं के संबंध इस गिरोह से जुड़े थे।

इस गोपनीय सूचना कि इस गिरिह का एक मुख्य आरोपी राजेन्द्र उर्फ टुंडा जनपद गाज़ियाबाद में है, पर FSDA, मुख्यालय से विशेष प्रवर्तन टीम का गठन कर करिमे ब्रांच गाज़ियाबाद का सहयोग प्राप्त किया गया ।

जनपद गाजियाबाद में मुख्य संलिप्त अभियुक्त की गिरफ़्तारीः

दिनांक 22/07/2026 को गाजियाबाद स्थित के०डब्ल्यू० मॉल (KW Mall), राजनगर एक्सटेंशन के पास से गिरोह के मुख्य वितरक राजेन्द्र सिंह उर्फ अरुण टुंडा (निवासी रुड़की, हरिद्वार) को पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया।

चोरी के टंगस्टन ऑक्साइड पाउडर के 10 पैलेट ले जाते हुए दीपक की गिरफ्तारी की गई

तीन मिलियन डॉलर के चोरी के सामान के साथ अमेरिका में भारतीय गिरफ्तार

> चोरी के टंगस्टन ऑक्साइड पाउडर के 10 पैलेट ले जाते हुए दीपक की गिरफ्तारी की गई, इस पाउडर की कीमत 2,857,500 डॉलर (लगभग 27.59 करोड़ रुपये) थी। इसका उपयोग कवच भेदी गोलियों, सिरेमिक, लेजर, ऑप्टिकल उत्पादों और उच्च तकनीक वाली खिड़कियों में किया जाता है।

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका में 3 मिलियन डॉलर (लगभग 27.5 करोड़ रुपये) मूल्य के चोरी किए गए टंगस्टन ऑक्साइड पाउडर के साथ 31 वर्षीय अवैध भारतीय अप्रवासी दीपक कुमार को गिरफ्तार किया गया है।

पेनसिल्वेनिया में 'आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन' (ICE) की कार्रवाई के दौरान पकड़ा गया यह आरोपी एक ट्रक चला रहा था। कार्रवाई के दौरान उसके पास से कैलिफोर्निया का कमर्शियल ड्राइविंग लाइसेंस और कई फर्जी दस्तावेज बरामद हुए हैं।

पेनसिल्वेनिया में आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (ICE) की कार्रवाई के दौरान पकड़े गए इस ड्राइवर के पास कैलिफोर्निया का वाणिज्यिक लाइसेंस और फर्जी

दस्तावेज पाए गए। न्यूयॉर्क पोस्ट के अनुसार, यह पाउडर मित्सुबिशी मैटेरियल्स कॉर्पोरेशन का था और इसे 24 जून को ले जाया जाना था। ले जाने में एक दिन की देरी हुई और सब कुछ ठीक चल रहा था, लेकिन 26 जून को कंपनी ने कहा कि वे ड्राइवर से संपर्क नहीं कर पा रहा था। इसके बाद अधिकारियों ने 27 जून को कुमार के ट्रक का पता लगाने के लिए फ्लॉक कैमरे (एक विशेष स्वचालित लाइसेंस प्लेट रीडर (ALPR) उपकरण) का इस्तेमाल किया। अधिकारियों ने बताया कि जब उन्होंने चालक को पकड़ा, तो उसने जांचकर्ताओं को पहचान के तीन दस्तावेज दिए, एक अमान्य वर्क वीजा, न्यूयॉर्क राज्य का एक फर्जी लाइसेंस और कैलिफोर्निया का एक वैध ड्राइविंग लाइसेंस। इसके बाद दीपक को चोरी के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया और आईसीई की हिरासत में कैलिफोर्निया के मैकफारलैंड भेज दिया गया। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि कुमार ने खेप चुराई या संचार संबंधी समस्याओं के कारण इसमें देरी हुई।

ट्रंप की टीम का आरोप है कि गवर्नर गैविन न्यूजॉम ने कैलिफोर्निया को अवैध प्रवासियों के लिए सुरक्षित ठिकाना (सैंक्चुअरी स्टेट) बना दिया है। उनके मुताबिक, नियमों में दी गई इस ढील की वजह से सुरक्षा व्यवस्था में एक खतरनाक कमी उत्पन्न हो गई है।

कैलिफोर्निया की आलोचना

आरोपी भारतीय ड्राइवर के पास कैलिफोर्निया का कमर्शियल (व्यावसायिक) ड्राइविंग लाइसेंस था। इस वजह से कैलिफोर्निया की डेमोक्रेट सरकार की नीतियों पर सवाल उठ रहे हैं।

क्योंकि कैलिफोर्निया में एक ऐसा नियम है जिसके तहत प्रवासियों (इमिग्रेंट्स) को अस्थायी संघीय वर्क परमिट (EAD) के आधार पर भी ट्रकों और भारी वाहनों का कमर्शियल लाइसेंस दे दिया जाता है।

कहा- मधुमक्खियों की जान बचाना जरूरी, सरकार बोली- किसानों को बचाना ज्यादा जरूरी

फ्रांस में कीटनाशक पर बैन हटा पर्यावरण मंत्री का इस्तीफा

पेरिस, एजेंसी

फ्रांस की पर्यावरण मंत्री मोनिक बारबू ने इस्तीफा देने का ऐलान किया है। उन्होंने यह फैसला विवादित कृषि बिल के विरोध में लिया है, जिसमें दो प्रतिबंधित कीटनाशकों के इस्तेमाल की मंजूरी दी गई है।

एसोसिएटेड प्रेस (AP) के मुताबिक वैज्ञानिकों का कहना है कि ये कीटनाशक मधुमक्खियों और दूसरे परागण करने वाले कीड़ों के लिए नुकसानदायक हैं। पर्यावरण मंत्री बनीं बारबू आज राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को अपना इस्तीफा सौंपेंगी। फ्रांस की संसद ने मंगलवार को यह बिल पेश किया था। सीनेट ने 214-111 मतों से विधेयक पारित कर दिया। सरकार ने दावा किया कि

फ्रांस की पर्यावरण मंत्री मोनिक बारबू ने 9 महीने पहले पद संभाला था।

ये कानून किसानों की मदद के लिए लाया जा रहा है। उसका कहना है कि किसानों को घटती कमाई और खेती की बढ़ती लागत जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

प्रतिबंधित कीटनाशकों एसेटामिप्रिड और फ्लुपाइराडीफ्यूरोन के इस्तेमाल की अस्थायी मंजूरी देना।

बारबू ने सोशल मीडिया पर लिखा,पिछले नौ महीनों में मैंने जंगलों, साफ पानी, स्वच्छ हवा, उपजाऊ मिट्टी और जैव विविधता की रक्षा के लिए काम किया। लेकिन विरोधी ताकतें इतनी मजबूत हो गई हैं कि मैं अपने मकसद पूरे नहीं कर पा रही। राजनीति मेरी दुनिया नहीं है और अगर राजनीति ऐसी ही होती है, तो यह कभी मेरी दुनिया नहीं बन सकती।

आखिरी समय में जोड़े गए दोनों प्रावधान

इन्हीं प्रावधानों को लेकर पर्यावरणविदों और सरकार के भीतर भी विरोध बढ़ गया। इसके विरोध में पर्यावरण मंत्री मोनिक बारबू ने पद छोड़ने का फैसला किया है।

उन्होंने कहा कि वह कीटनाशक और पानी के भंडारण से जुड़े दोनों प्रस्तावों के खिलाफ थीं। ये दोनों प्रावधान विधेयक में आखिरी समय में जोड़े गए थे, ताकि रूढ़िवादी बहुमत वाली सीनेट से इसे पारित कराया जा सके।

बारबू ने आरोप लगाया कि सरकार ने उनसे किए गए वादे के विपरीत इस प्रावधान को हटाने पर कोई चर्चा ही नहीं होने दी। सरकार का कहना है कि नए प्रावधान लाने का फैसला उन किसानों की मदद के लिए लिया गया है, जो मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। किसानों की लागत बढ़ने और कमाई घटने से खेती करना मुश्किल हो गया है।

सरकार के मुताबिक अगर कीटनाशकों के सीमित इस्तेमाल की अनुमति नहीं दी गई, तो फ्रांस के किसान यूरोप के दूसरे देशों के किसानों से प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाएंगे। क्योंकि कई यूरोपीय देशों में इन कीटनाशकों के इस्तेमाल की अनुमति पहले से है।

'अगर हम तेल नहीं बेच सकते तो कोई और भी नहीं बेच पाएगा'

ईरान की चेतावनीः तेल नहीं बेच पाए तो कोई और नहीं बेचेगा

तेहरान, एजेंसी

होर्मुज स्ट्रेट की सुरक्षा अमेरिकी सेनाओं की अनुपस्थिति में ही

ईरान की संसद के स्पीकर और मुख्य वार्ताकार मोहम्मद बाकर गालिबाफ ने चेतावनी दी है कि तेहरान होर्मुज स्ट्रेट के हालात को युद्ध से पहले वाली स्थिति में नहीं लौटने देगा। उन्होंने कहा कि इस स्ट्रेट की सुरक्षा तभी बनी रह सकती है जब इस इलाके में अमेरिकी सेनाएं न हों। गालिबाफ ने यह भी चेतावनी दी कि अगर ईरान को अपना कच्चा तेल बेचने की इजाजत नहीं मिली तो वह किसी भी खाड़ी देश को अपना तेल नहीं बेचने देगा।

एक्स पर एक पोस्ट में गालिबाफ ने कहा कि यह टकराव अब ₹सब कुछ या कुछ नहीं₹ वाली स्थिति बन गया है। उन्होंने लिखा, ₹जिस इलाके में हम तेल नहीं बेचते वहां कोई और भी तेल नहीं बेचेगा। अगर हमारी सुरक्षा पक्की नहीं हुई तो कोई भी इंफ्रास्ट्रक्चर सुरक्षित नहीं रहेगा और इस स्ट्रेट की सुरक्षा अमेरिकी सेनाओं के न होने में ही है। हमने बार-बार कहा है कि इस स्ट्रेट के हालात युद्ध से पहले वाली स्थिति में वापस नहीं आएंगे।

वहीं, ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने कहा कि उनका देश जैसे को तैसा वाली रक्षा नीति अपनाएगा। उन्होंने बुधवार को एक्स पर पोस्ट किया, ईरान के खिलाफ किसी भी तरह की आक्रामकता का जबरदस्त और निर्णायक जवाब दिया जाएगा।

योजनाः भारत-चीन के राजदूतों से मिलने का किया एलान | तोड़ा खुद का बनाया नियम

नेपाल के पीएम बालेन शाह का यू-टर्न

- पीएम बालेन शाह भारत-चीन राजदूतों से मिलेंगे।
- संबंधों में संतुलन बनाने के लिए नियम तोड़ेंगे।
- नेपाल की विदेश नीति में नया बदलाव।

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह भारत और चीन के साथ संबंधों में संतुलन बनाए रखने के लिए काठमांडू में मौजूद राजदूतों के साथ आमने-सामने की बैठक न करने के अपने ही बनाए नियम को तोड़ने जा रहे हैं।

पीएम शाह इस हफ्ते भारत और चीन के राजदूतों से अलग-अलग बैठक करने की योजना बना रहे हैं। द काठमांडू पोस्ट ने सूत्रों के हवाले

से बताया है कि यह दिखाने के लिए कि नेपाल नई दिल्ली और बीजिंग को बराबर महत्व देता है, शाह एक ही दिन भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव और चीनी राजदूत झांग माओमिंग से मुलाकात करेंगे। हालांकि अभी तक सही तारीखों का एलान नहीं हुआ है लेकिन नेपाल में सरकार के एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि जल्द ही इसकी पुष्टि होने की संभावना है। यह फैसला बालेन शाह सरकार के कार्यकाल के पहले 100 दिन पूरे होने के एक महीने से ज्यादा समय बाद लिया गया है।

बालेन शाह ने क्या नियम बनाया था?

जेन-जी (Gen Z) के विरोध-प्रदर्शन के बाद सत्ता में आने के बाद से नेपाल के प्रधानमंत्री ने लंबे समय से चली आ रही राजनयिक परंपराओं से हटकर विदेशी दूतों से अलग-अलग मिलने से इनकार कर दिया है। इसके बजाय उन्होंने काठमांडू में तैनात राजदूतों के साथ दो बार संयुक्त राजनयिक बैठकें की हैं। उन्होंने राजनयिक अपवाद तब किया जब जुलाई की शुरुआत में नेपाल की अपनी तीन दिन की यात्रा के दौरान वे एशियन डेवलपमेंट बैंक के प्रेसिडेंट मासातो कांडा से मिले। काठमांडू की मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, शाह ने हाल ही में व्यापारियों, ठेकेदारों, उद्योगपतियों और निर्यातकों सहित कारोबारी समुदाय के साथ नियमित रूप से बातचीत करना भी शुरू कर दिया है।

राजनयिक परंपरा यह रही है कि हर नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री पद संभालने के कुछ ही दिनों के भीतर प्रधानमंत्री कार्यालय या अपने सरकारी आवास पर विदेशी राजदूतों से अलग-अलग मुलाकात करता है।

कोविड में पीपीई किट के पैसों से उड़ाई मौज, खरीदी पोर्श और रोलेक्स

ब्रिटेन में भारतीय मूल के पति-पत्नी दोषी करार

लंदन। UK में भारतीय मूल के एक कपल ने COVID महामारी के दौरान पर्सनल प्रोटेक्टिक इक्विपमेंट (PPE) देने के झूठे दावों का इस्तेमाल करके गैर-कानूनी तरीके से फंड लॉन्ड्रिंग करने का दोषी पाया गया है। जोगेश भंडारी (59) और मीनाक्षी भंडारी (58) को धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग मामलों में दोषी ठहराया गया है।

उनके सहयोगी 43 साल के क्रेग मॉरिस को भी 2020 और 2021 के कपल की कंपनी की ओर से कई धोखाधड़ी वाले सौदों में शामिल होने का दोषी पाया गया है। तीनों को 21 अगस्त को सजा सुनाई जाएगी।

UK की नेशनल क्राइम एजेंसी NCA के ऑपरेशन्स मैनेजर पॉल बोनिफेस ने कहा, COVID-19 महामारी दुनिया के लिए अनिश्चितता का समय था, और PPE इक्विपमेंट की जरूरत अचानक बढ़ गई थी। इससे भंडारी

और मॉरिस जैसे धोखेबाजों को बिजनेस को टारगेट करने और अपनी जेबें भरने का मौका मिला।

NCA के मुताबिक, भंडारी 2020 में महामारी के दौरान नाइट्राइल ग्लव्स खरीदने और बेचने के लिए बनाई गई एक कंपनी का मालिक था। उसने संभावित सप्लायर्स को 125 मिलियन डॉलर तक के नकली बैंक स्टेटमेंट और अटेस्टेशन लेटर दिए ताकि बिज़नेस को उसके साथ ट्रेड करने के लिए मनाया जा सके। एजेंसी ने बताया कि भंडारी की पहली धोखाधड़ी नवंबर 2020 में शुरू हुई, जब वह 12 मिलियन बॉक्स ग्लव्स देने की डील पर सहमत हुआ।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड- 224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।

मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96

C M Y K